राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 12
अंक : 53
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 07 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
नई दिल्ली से प्रकाशित
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने दिल्ली से शराब लाकर अवैध भंडारण कर बिक्री करने वाले एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार
पेज 5 गैंगरेप पीड़िता पर एक साल में दूसरी बार जानलेवा हमला, घर में घुसकर चाकू से गोदा
पेज 7 ताइवान ने चीन को फिर दिखाए तेवर, अमेरिका के बाद फ्रांसीसी सांसद करेंगे दौरा

मुलाकात

बांग्लादेश की प्रधान मंत्री, शेख हसीना ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

हिजबुल के दो आतंकवादी ढेर किए

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मंगलवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में प्रादेशिक सेना के दो जवानों की हत्या में शामिल हिजबुल के दो आतंकवादी मारे गये।

पुलिस ने बताया कि प्रादेशिक सेना के दो जवानों मंजूर अहमद की 2019 और मोहम्मद सलीम अखून की 2021 में हुई हत्या में शामिल आतंकवादियों की पहचान दानिश भट्ट उर्फ कोकब दूरी और बशरत नबी लोन जो कि हिजबुल मुजाहिद्दीन से

जुड़े हुए है के रुप में पहचान की गई है।

मुठभेड़ पोशक्रीरी में हुई जहां सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया था। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि तलाशी अभियान के दौरान संयुक्त तलाशी दल पर छुपे हुए आतंकवादियों ने गोलियां चलाई। जवाब में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलाई जिसमें दोनों आतंकवादियों मारे गए।

पुलिस ने कहा कि हिजबुल के ये दोनों आतंकवादी बिजबेहरा इलाके में 2021 में दो नागरिकों की हत्या में भी शामिल थे।

प्रवक्ता ने कहा कि घटनास्थल से एक एके-56 , 35 एके राउंड , दो एके मैगजीन , एक पिस्तौल मैगजीन और दो पिस्तौल की गोलियां बरामद की गई।

दक्षिण कश्मीर में पिछले 24 घंटो में यह दूसरी मुठभेड़ है।

दिल्ली शराब घोटाले में ईडी के छापे

दिल्ली, लखनऊ, मुंबई समेत 30 ठिकानों पर टीमें

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को दिल्ली शराब घोटाला केस में 30 से ज्यादा जगहों पर छापा मारा है। इसके अलावा लखनऊ, पंजाब, हरियाणा, तेलंगाना और मुंबई में भी छापेमारी की गए हैं। कई शराब कारोबारियों के ठिकानों पर भी श्वष्ठ की टीमें मौजूद हैं। फिलहाल इनमें मनीष सिसोदिया या किसी अन्य सरकारी कर्मचारी के घर टीम नहीं पहुंची है।

मनीष सिसोदिया बोले कितने ही छापे मार लें इन्हें कुछ नहीं मिलेगा

इस बीच दिल्ली के डिप्टी ष्टरूमनीष सिसोदिया का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पहले इन्होंने ष्टक्चढ्ढ के छापे मारे, कुछ नहीं मिला। अभी श्वष्ठ के छापे मारेंगे। इसमें भी कुछ नहीं निकलेगा। देश में जो शिक्षा का माहौल बना हुआ है, अरविंद केजरीवाल जी जो काम कर रहे हैं, उसे रोकने का काम हो रहा है, लेकिन ये लोग उसे रोक नहीं पाएंगे। यह सीबीआई यूज कर लें या ईडी यूज कर लें, उसे रोक नहीं पाएंगे। मेरे पास ज्यादा सूचना नहीं है। मैंने

ईमानदारी से काम किया है।

दिल्ली के जोर बाग में बिजनेसमैन समीर महंद्रू के घर छापेमारी की गई। उनके घर सुबह करीब 7 बजे से ईडी की टीम मौजूद है। उन पर मेसर्स राधा इंडस्ट्रीज के राजेन्द्र प्लेस स्थित यूको बैंक के अकाउंट में 1 करोड़ रुपए ट्रांसफर करने का आरोप है।

उधर, गुरुग्राम में बड्डी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अमित अरोड़ा के घर पर भी छापेमारी जारी है। बड्डी के खिलाफ पहले CBI ने FIR में आरोप लगाया था कि बड्डी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम के डायरेक्टर अमित अरोरा, दिनेश अरोरा और अर्जुन पांडे सिसोदिया के करीबी थे। ये लोग शराब लाइसेंसियों से आर्थिक फायदा लेकर उसे आरोपी पुलिस अफसरों तक डायवर्ट करने में शामिल थे।

1 अगस्त से लागू की गई थी पुरानी शराब नीति

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने 1 अगस्त को ऐलान किया था कि पुरानी शराब नीति लागू होगी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- केंद्र सरकार ने इस पॉलिसी में CBI की एंट्री करा दी, जिससे कोई भी ठेका लेने के लिए तैयार नहीं है।

इसलिए हम नई व्यवस्था लागू नहीं करेंगे। डिप्टी सीएम ने कहा था कि नई एक्साइज पॉलिसी से भाजपा का भ्रष्टाचार खत्म हो जाता और साल में 9,500 करोड़ का राजस्व आता। वर्तमान में दिल्ली में 468 दुकानें चल रही हैं। भाजपा का मकसद है कि दिल्ली में अवैध शराब बिके।

दिल्ली में कब आई थी नई शराब नीति?

मई 2020 में दिल्ली सरकार विधानसभा में नई शराब नीति लेकर आई, जिसे नवंबर 2021 से लागू कर दिया गया। सरकार ने नई शराब नीति को लागू करने के पीछे 4 प्रमुख तर्क दिए थे

- **दिल्ली में शराब माफिया और कालाबाजारी को समाप्त करना।**
- **दिल्ली सरकार के राजस्व को बढ़ाना।**
- **शराब खरीदने वाले लोगों की शिकायत दूर करना।**
- **हर वार्ड में शराब की दुकानों का समान वितरण होगा।**

उप राज्यपाल ने दिए थे सीबीआई जांच के निर्देश

दिल्ली के उप राज्यपाल ने नई शराब नीति के बाद निकले टेंडर को लेकर सीबीआई जांच के निर्देश दिए थे। एजली ऑफिस की ओर से कहा गया कि सिसोदिया की भूमिका जानबूझकर की गई खामियों के चलते जांच के दायरे में है, जिसने 2021-22 के लिए शराब लाइसेंस धारकों के लिए टेंडर में 144 करोड़ का अवैध रूप से लाभ पहुंचाने का काम किया।

देश में कोरोना की पहली नेजल वैक्सीन को मिली मंजूरी

18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को दी जाएगी, इसकी 4 ड्रॉप्स होंगी कारगर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत को कोरोना के खिलाफ पहली इंट्रानेजल वैक्सीन मिल गई है। इसे हैदराबाद की फार्मा कंपनी भारत बायोटेक ने बनाया है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने मंगलवार को इसे इमरजेंसी यूज के लिए मंजूरी भी दे दी। वैक्सीन की खुराक 18 साल से ज्यादा के लोगों को दी जाएगी। इसके आखिरी फेज के ट्रायल पिछले महीने ही पूरे हुए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट कर नेजल वैक्सीन को बड़ी उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा- वैक्सीन कोरोना महामारी से लड़ाई की ओर एक बड़ा कदम है। भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साइंस, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और ह्यूमन रिसोर्स को बढ़ावा दिया है। साइंस पर आधारित अप्रोच और सबके प्रयास से हम कोरोना को जरूर हराएंगे।

इंट्रानेजल वैक्सीन की खासियत

भारत बायोटेक की इंट्रानेजल वैक्सीन का नाम BBV154 है। इसे नाक के जरिए शरीर में पहुंचाया जाता है। इसकी खास बात यह है कि शरीर में जाते ही यह कोरोना के इन्फेक्शन और

ट्रांसमिशन दोनों को ब्लॉक करती है। चूंकि इस वैक्सीन में किसी इंजेक्शन की जरूरत नहीं पड़ती, इसलिए इससे चोट लगने का कोई खतरा नहीं है। साथ ही हेल्थकेयर वर्कर्स को भी कोई खास ट्रेनिंग की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इंट्रानेजल वैक्सीन को प्राइमरी वैक्सीन के तौर पर दिया जाएगा। हालांकि, इसे कोवैक्सिन और कोविशील्ड जैसी वैक्सीन्स लेने वालों को बूस्टर डोज के तौर पर भी दिया जा सकता है। भारत बायोटेक के मैनेजिंग डायरेक्टर और चेयरमैन डॉ. कृष्णा एल्ला ने रिपब्लिक टीवी को बताया कि पोलियो की तरह इस वैक्सीन की भी 4 ड्रॉप्स काफी हैं। दोनों नॉस्ट्रिल्स में दो-दो ड्रॉप्स डाली जाती हैं।

अब तक 213.72 करोड़ वैक्सीन डोज लगीं

स्वास्थ्य मंत्रालय के डेटा के अनुसार, अब तक वैक्सीनेशन ड्राइव की शुरुआत से अब तक 213.72 करोड़ वैक्सीन डोज लगाई जा चुकी हैं। वहीं, 17 करोड़ से ज्यादा लोगों को बूस्टर डोज दी जा चुकी है। 12 से 14 साल की उम्र के 4.04 करोड़ बच्चों को भी वैक्सीन दी जा चुकी है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, एलिजिबल लोगों में से केवल 12 प्रतिशत लोगों ने ही बूस्टर डोज ली है। फ्रंटलाइन वर्कर्स, हेल्थकेयर वर्कर्स और 60 साल या उससे ज्यादा के 16.8 करोड़ लोग प्रिकॉशनरी डोज के लिए एलिजिबल हैं। इनमें से सिर्फ 35 प्रतिशत को ही वैक्सीन की यह डोज लगी है।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना महामारी से 22 मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना महामारी से 22 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 528030 तक पहुंच गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 213.72 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। इसी अवधि में कोरोना वायरस के 4,417 नए मामले सामने आने संक्रमितों की कुल संख्या 4,44,66,862 हो गयी है और कोरोना सक्रिय मामले 1638 घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 52336 रह गयी। दैनिक संक्रमण दर 1.20 प्रतिशत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान इस महामारी से 6032 लोगों के मुक्त होने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 43886496 हो गयी हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 3,67,490 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.77 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं।

देश में स्वस्थ होने की दर 98.69 प्रतिशत है। सक्रिय मामलों का की दर 0.12 प्रतिशत है और मृत्युदर 1.19 फीसदी है देश में पिछले 24 घंटों में पांच राज्यों, तीन केन्द्र शासित प्रदेश में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ी है और अन्य राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके मामले घटे हैं।

केरल में पिछले 24 घंटों में 208 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 10084 हो गयी है। राज्य में अब तक स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़कर 6681623 हो गई है और इसी अवधि में एक मरीज की मौत होने से मतृकों की संख्या 70859 तक पहुंच गयी है।पश्चिम बंगाल में कोरोना संक्रमण के 168 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 2002 रह गयी है।

दिल्ली पुलिस ने 1200 करोड़ की ड्रग्स पकड़ी, 2 अफगान नागरिक गिरफ्तार

ड्रग्स बेचकर आने वाली रकम आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होनी थी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने राजधानी में लगभग 325 किलो ड्रग्स पकड़ी है। इसके साथ ही 2 अफगान नागरिकों को पकड़ा गया है। बरामद ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1200 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

ड्र्ग्स को बेचकर आने वाली रकम का इस्तेमाल हिंदुस्तान के खिलाफ आतंकी गतिविधियों में किया जाना था। ड्रग्स की खेप पहले चेन्नई से लखनऊ और वहां से दिल्ली लाई गई थी। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए अफगान नागरिकों की पहचान मुस्तफा और रहिमुल्लाह के रूप में हुई है। मुस्तफा काबुल और रहिमुल्लाह कंधार का रहने वाला है। यह लोग नारको टेरर सिंडिकेट के तहत बड़े लेवल पर ड्रग्स सप्लाई करते थे। दोनों 2016 से भारत में रिफ्यूजी बनकर रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि जब दोनों को पकड़ा गया तो इनके पास से कम मात्रा में ड्रग्स मिली। बाद में पूछताछ करने पर उनके पास बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद हुई है।

ड्रग्स हरियाणा, पंजाब, हिमाचल और राजस्थान में सप्लाई होना था

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल लगातार बड़े नार्को टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर रही है। इस टीम में सीपी ललित मोहन नेगी, एसीपी हृदयभूषण, इंस्पेक्टर विनोद बडोला, इंस्पेक्टर सुंदर गौतम और यशपाल भाटी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इस ड्रग्स को दिल्ली से हरियाणा, पंजाब, हिमाचल और राजस्थान में सप्लाई किया जाना था।

चेन्नई से लखनऊ, बाद में दिल्ली लाए ड्रग्स

ड्रग्स में 312.5 किलो मेथमफेटामाइन और 10 किलो हेरोइन शामिल है। पुलिस ने बताया कि राजधानी दिल्ली के इतिहास में यह पकड़ी गई ड्रग्स की सबसे बड़ी खेप है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ड्रग्स की इस खेप को चेन्नई से लखनऊ और बाद में दिल्ली भेजा गया था।

रेप नहीं कर सका तो नाबालिग का गला काटा

आंध्र प्रदेश में आरोपी ने पहले एसिड पिलाया, फिर चाकू मारा; लड़की की हालत गंभीर

एजेंसी

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश में एक युवक ने नाबालिग से रेप की कोशिश की। लड़की ने विरोध किया तो पहले उसे तेजाब पिलाया, फिर गला काट दिया। घटना एसपीएस नेल्लोर जिले के एक गांव की है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। नाबालिग की हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना सोमवार रात की है, जब नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली 14 साल की छात्रा अपने घर में अकेली थी। उसे माता-पिता काम के लिए बाहर गए थे। इस दौरान आरोपी उसके घर में घुस गया और रेप का प्रयास करने लगा। पीड़ित ने बचने के लिए खुद को वॉशरूम में बंद कर

लिया। आरोपी युवक ने दरवाजा तोड़ा और उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश करने लगा।

इस दौरान लड़की उसका विरोध करने लगी, तो आरोपी ने लड़की के मुंह में और चेहरे पर शौचालय की सफाई करने वाला एसिड डाल दिया। इसके बाद लड़की जोर-जोर से चिल्लाने लगी, तो हमलावर ने चाकू से उसका गला काट दिया और फरार हो गया। इस बीच पड़ोसियों ने लड़की की आवाज सुनी और घर पहुंचे। लड़की को खून से लथपथ देख उसके माता-पिता को सूचना दी गई। पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

आरोपी पीड़ित का रिश्तेदार निकला

पुलिस ने आरोपी नागराजू को गिरफ्तार कर लिया है। वह पीड़ित का रिश्तेदार बताया जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि कुछ अन्य लोगों ने आरोपी की मदद की होगी। इस घटना से लोगों में गुस्सा है। वह दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं।

कृषि मंत्री रेड्डी ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

राज्य के कृषि मंत्री काकानी गोवर्धन रेड्डी ने अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने पीड़ित परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और डॉक्टरों से उसकी स्थिति के बारे में जानकारी ली।

मंत्री ने कहा कि पुलिस ने आरोपी पर बलात्कार के प्रयास और हत्या का मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि मामला गैर-जमानती धाराओं के तहत दर्ज किया गया है।

उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। इस बीच नेल्लोर एसपी विजया राव ने भी अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच कर रही है और जल्द ही सारी जानकारी सामने आएगी।

बारीश

आलीशान घर, बेंटले और बीएमडब्ल्यू कारें डूबीं, 5 की मौत

बेंगलुरु में बारिश ने तोड़ा 90 सालों का रिकॉर्ड

बेंगलुरु/तिरुवनंतपुरम। देश की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में बारिश कहर बरपा रही है। कर्नाटक के ष्टरूने कहा कि बारिश ने 90 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हालात ऐसे हैं कि शहर के रिहायशी इलाकों में आलीशान बंगले और लेक्सस, बेंटले, BMW व रेंज रोवर जैसी लग्जरी कारें आधा पानी में डूब गई हैं। अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। IT कंपनियों ने भी वर्क फ्रॉम होम की घोषणा की है।

युवती की करंट से मौत, दो पुलिसकर्मी पानी में बहे

बेंगलुरु में भारी बारिश के चलते सोमवार को 23 साल की लड़की की

मौत हो गई। पानी भरी सड़क पर स्कूटी स्लिप होने के बाद उसने सपोर्ट के लिए पास लगे बिजली के खंभे को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन खंभे से करंट लगने की वजह से उसकी जान चली गई। हादसा वाइटफील्ड इलाके में शाम को हुआ, जब लड़की अपने काम से लौट रही थी। इसके अलावा बेंगलुरु में दो पुलिसकर्मी बह गए, जिनकी पहचान मुंदरागी पुलिस स्टेशन से जुड़े महेश और निंगप्पा के रूप में हुई है।

सड़कों पर नाव चलाने की नौबत

मौसम विभाग ने मंगलवार को केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में 8 और 9 सितंबर तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में लोगों की जिंदगी थम गई है। कई इलाकों में पानी भर गया है और सड़कों पर नाव चलाने की नौबत आ गई है। बेंगलुरु में पहली बार ऐसी स्थिति बनी है, जब आईटी वर्कर्स ट्रैक्टर पर दफ्तर जा रहे हैं।

बेंगलुरु में लगातार बारिश के चलते बिजली और पानी की सप्लाई ठप हो गई है। बाहरी इलाकों में पानी भर गया है। जरूरी सामान की सप्लाई के लिए नावों का इस्तेमाल किया जा रहा है। 2 दिन से ट्रैफिक जाम की समस्या भी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री के मुताबिक बाढ़ से 430 घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 2,188 अन्य को आंशिक नुकसान हुआ है। करीब 225 किलोमीटर लंबी सड़कें, पुल, पुलिया और बिजली के खंभे भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

झीलों पर होने वाला अतिक्रमण सबसे बड़ी वजह

बेंगलुरु में जो बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं, इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह है झीलों पर होने वाला अतिक्रमण। आंकड़ों के मुताबिक बेंगलुरु में 204 झीलें हैं। इनमें से करीब 180 की संख्या ऐसी है, जिन पर अतिक्रमण का साया है। यही वजह है कि जब भी बारिश आती है तो पानी का बहाव झीलें समेट नहीं पाती हैं।

सीबीआई की तरह ईडी ने भी सिसोदिया को दी क्लीन चिट : आप

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को कहा कि केन्द्रीय जांच ब्यूरो(सीबीआई) की तरह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को क्लीन चिट दे दी ।?

'आप' के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक सौरभ भारद्वाज ने संवाददाता सम्मेलन में यहां कहा, कुछ सप्ताह पहले सीबीआई ने श्री सिसोदिया के घर 14 घंटे तक छापेमारी की । उसमें सीबीआई को कुछ भी नहीं मिला। इसके अलावा छह घंटे तक पूछताछ की। जिसमें उपमुख्यमंत्री ने सभी सवालों के जवाब दिए। सीबीआई ने अपने ही अधिकारी के ऊपर श्री सिसोदिया को झूठा फंसाने के लिए दबाव बनाया। कई मीडिया हाउस ने प्रकाशित किया कि शराब मामले की जांच से जुड़े सीबीआई के एक अधिकारी ने आत्महत्या की। उस अधिकारी ने आत्महत्या कर ली और सीबीआई ने मना कर दिया कि वह अधिकारी तो इस मामले में काम ही नहीं कर रहे थे ?।

उन्होंने कहा,भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) कल एक नकली स्टिंग लेकर आई। लोगों ने भाजपा का खूब मजाक उड़ाया कि कुछ नहीं मिला। इसके बाद मीडिया के जरिए बताया गया है आज कई जगहों पर ईडी ने छापे मारे हैं। हमें नहीं मालूम कि कहां पर रेड डाली जा रही है। सुबह-सुबह कई टीवी चैनल मनीष सिसोदिया के घर पर पहुंचे थे। उनको बताया गया होगा कि मनीष सिसोदिया के घर पर छापा मारना है। ऐसे में चैनल वाले बाहर खड़े थे लेकिन ईडी वाले नहीं आए। यह आम आदमी पार्टी के लिए बहुत ही खुशी की बात है। जिस तरह सीबीआई ने रेड मारने के बाद मनीष सिसोदिया को क्लीन चिट दी। उसी तरह आज ईडी ने भी क्लीन चिट दे दी है। ईडी के भी हाथ-पांव ठंडे हो गए, उनको लगा कि यहां जाने का मतलब बेइज्जती कराना है।

उन्होंने आरोप लगाया,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लड़ाई भ्रष्टाचार से नहीं है। गुजरात के अंदर प्रत्येक होटल में शराब की डिलीवरी उपलब्ध है। हर गांव में कच्ची शराब बनती है।

शार्ट न्यूज

श्रीनगर में 30-35 किलोग्राम आईईडी बरामद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के बाहरी इलाके में मंगलवार को सुरक्षा बलों ने लगभग 30-35 किलोग्राम वजन का इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया। पुलिस ने कहा कि श्रीनगर के खानमोह इलाके में एक तलाशी अभियान के दौरान एक बाग में आईईडी मिला जिसे आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद शुरू किया गया था। पुलिस ने ट्वीट में कहा गया, श्रीनगर के खानमोह इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट इनपुट के आधार पर पुलिस और राष्ट्रीय राइफल की टीम ने एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। बाग क्षेत्र की तलाशी के दौरान, 30-35 किलोग्राम वजन का एक आईईडी बरामद किया गया। पुलिस ने कहा कि इस बरामदगी के बाद बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। ट्वीट में कहा गया, बम निरोधक दस्ते ने बाद में आईईडी को नष्ट कर दिया। सुरक्षा बलों ने बारामूला जिले के सोपोर इलाके में एक हाइब्रिड आतंकवादी से चुंबकीय आईईडी बरामद करने के दो दिन बाद इस आईईडी को बरामद किया है।

कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मंगलवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने बताया कि पोशक्रीरी इलाके में मुठभेड़ उस समय हुई जब संयुक्त सुरक्षा बल आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, जैसे ही सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ रही थी, तभी वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर स्वचालित हथियारों से गोलियां चला दीं। सुरक्षा बलों ने भी जबाबी कार्रवाई शुरू की जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इसके बाद अतिरिक्त बलों को क्षेत्र में भेजा गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी घेराबंदी को तोड़ कर भागने का प्रयास न करें। पिछले 24 घंटों में दक्षिण कश्मीर में यह दूसरी मुठभेड़ है। इससे पहले सोमवार को दक्षिण कश्मीर के ही शोपियां जिले में आतंकवादियों के साथ एक संक्षिप्त मुठभेड़ हुई। आतंकवादी भागने में सफल रहे और उनका पता नहीं चलने के बाद आज ऑपरेशन बंद कर दिया गया।

अरुणाचल में लापता पर्वतारोही की पैदल तलाश बंद : डीसी

ईटानगर। पूर्वी कमेंग के उपायुक्त प्राविमल अभिषेक पोलुमतला ने मंगलवार को कहा कि पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं इसलिए लापता एवरेस्टर तापी म्रा और उनके सहायक निकू दाओ की पैदल खोज और बचाव अभियान (एसएआर) को तत्काल बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पैदल खोज और बचाव अभियान लगातार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं क्योंकि पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश होने के कारण कामेंग, कानिया और वाप्रियांग बुंग सहित सभी नदियों का जलस्तर बहुत बढ़ गया है। अरुणाचल प्रदेश सरकार और भारतीय सेना के जवानों और मशीनरी ने लापता एवरेस्टर और उनके सहायक की खोज और बचाव के लिए अभियान चलाया, लेकिन लगातार बारिश से उसमें बाधा उत्पन्न होता रहा। अरुणाचल प्रदेश के पहले एवरेस्टर तापी म्रा और उनके सहायक पूर्वी कामेंग जिले की सबसे ऊंची चोटियों में से एक, माउंट ख्यारीसट्टम की एक अभियान के दौरान 17 अगस्त को लापता हो गए। पोलुमतला ने कहा कि आगे की रणनीति हेलीकॉप्टर आधारित एसएआर अभियान पर पूर्ण रूप से ध्यान केंद्रित करने की है। एक प्रभावी और त्वरित अभियान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। रक्षा सूत्रों के अनुसार सेना के चार हेलीकॉप्टर आधारित खोज और बचाव दल पूर्वी कामेंग जिले के मुख्यालय सेप्पा में स्टेंडबाय पर हैं।

खान मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार से

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में नौ सितंबर से खान मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित गया है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक सम्मेलन का उद्देश्य खान मंत्रालय और विभिन्न राज्य सरकारों के बीच संबंधों को मजबूत करना है। वहीं देश में खनिज की खोज को प्रोत्साहित करने हेतु नयी और प्रभावी रणनीति बनाने तथा हाल में केंद्र द्वारा खनन क्षेत्र में किए गए नीतिगत सुधारों के प्रभावों का आकलन करना भी है। सम्मेलन में केंद्रीय कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी , रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री श्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे, कोयला और खान मंत्रालयों के सचिव, विभिन्न राज्यों के खान मंत्री, प्रधान सचिव (खान) और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन में खनन क्षेत्र में किए गए प्रयासों और राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट (एनएमईटी) फंड के प्रभावी उपयोग पर चर्चा, राज्य सरकारों की प्रस्तुतियां एवं नीलामी की स्थिति और अधिसूचित निजी अन्वेषण एजेंसियों (एनपीईए) के साथ बातचीत की जायेगी। सम्मेलन के दूसरे दिन, कोयला मंत्रालय की विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से कोयला क्षेत्र में सुधार और उनके प्रभाव, कोयला खनन परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण के दृष्टिकोण और कोयला लॉजिस्टिक्स का प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं पहले से आवंटित कोयला खानों का परिचालन और उनकी स्थिति भी ध्यानाकर्षण का अन्य विषय होगा।

रोडरेज में बस चालक की ली जान, कर्मियों को कुचला, रोडवेज कर्मियों ने चार घंटे तक रखा चक्का जाम

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में जीटी रोड पर कुंडली के पास मंगलवार को रोडरेज की घटना में हरियाणा रोडवेज के बस चालक की थार जीप से कुचलकर हत्या कर दी गई। इतना ही नहीं बस के चालक-परिचालक को भी घायल कर दिया। साइड नहीं दिए जाने को लेकर हुए विवाद में जीप में सवार युवक-युवतियों ने रोडवेज बस को कुंडली में रुकवाया और बस से नीचे उतरे कर्मचारियों को जीप से रौंद दिया। जिससे बस में सवार डयूटी पर जा रहे दूसरी बस के चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक-परिचालक घायल हो गए। घटना को अंजाम देने के बाद दिल्ली नंबर की थार जीप सवार युवक दिल्ली की तरफ भाग गए। घटना से गुस्साए रोडवेज के कर्मचारियों ने पहले सोनीपत व बाद में गोहाना डिपो के गेट पर तालाबंदी कर चक्का जाम कर दिया। पुलिस ने बस चालक के बेटे के बयान पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने जीप सवार युवक व युवतियों की तलाश को चार टीम बनाई है। वहीं, घटना से गुस्साएं रोडवेज के कर्मचारियों ने पहले सोनीपत व बाद में गोहाना डिपो के गेट पर तालाबंदी कर चक्का जाम कर दिया। साथ ही प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस व विभागीय अधिकारियों के आश्वासन पर चार घंटे बाद बसों को चलाया जा सका। सोनीपत के सरस्वती विहार निवासी दीपक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पिता जगबीर सिंह (49) हरियाणा रोडवेज के दिल्ली डिपो में बतौर चालक कार्यरत थे।

एसवाईएल पर हमारा हक है, हम इसे लेकर रहेंगे : मनोहर लाल

चंडीगढ़। एसवाईएल के मामले को हल करने के लिये मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में सुनवाई हुई जिसमें केंद्र सरकार ने अदालत को अवगत करवाया कि पंजाब सरकार मामले में सहयोग नहीं कर रही है। केंद्र सरकार ने न्यायालय को बताया कि नये मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखा गया लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया। इस पर उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह इस मसले पर पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों की बैठक आयोजित कर मतभेद समाप्त करने और समाधान के लिए प्रयास करे। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि एसवाईएल हरियाणावासियों का हक है और वे इसे लेकर रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि हरियाणा के लिए यह पानी अत्यंत आवश्यक है। एक तरफ हमें यह पानी नहीं मिल रहा है, जबकि दूसरी तरफ दिल्ली राज्य से अधिक पानी की मांग कर रहा है। अब इस मामले में एक टाइम लाइन तय होना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सतलुज-यमुना लिंक नहर के निर्माण कार्य को पूरा करना हरियाणा और पंजाब राज्यों के बीच अत्यंत पुराना और गंभीर मसला है। यह नहर न बनने के कारण रावी, सतलुज और ब्यास का अधिशेष, बिना चैनल वाला पानी पाकिस्तान में चला जाता है।

बेंगलुरु में बाढ़ के पानी में गिरी लड़की, मदद के लिए चिल्लाती रही; करंट लगने से मौत

बेंगलुरु। बेंगलुरु में भारी बारिश की वजह से सड़कें जलमग्न हैं। इस बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक 23 साल की युवती की स्कूटी से गिरने के बाद करंट लगने से मौत हो गई। युवती का नाम अखिला था और वह एक स्कूल में काम करती थी। रात में करीब 9:30 बजे वह घर लौट रही थीं तभी पानी से भरी सड़क में उनकी स्कूटी ने जवाब दे दिया। जलभराव इतना ज्यादा था कि स्कूटी आगे नहीं बढ़ रही थी। ऐसे में अखिला स्कूटी से उतर गईं और पैदल ही चलने लगीं। अचानक गड्ढे में पैर पड़ने से वह फिसल गई। पास में ही बिजली का खंभा था। सहारे के लिए जैसे ही अखिला ने खंभा पकड़ा, उन्हें करंट लग गया।

मदद के लिए चिल्लाती रहीं

अखिला बारिश के चलते भीग गई थीं। वह घुटने तक पानी में थीं इसलिए करंट आसपास उतर गया। वह मदद के लिए चिल्लाती रहीं लेकिन किसी की हिम्मत पानी में उतरने की नहीं हुई। जब तक बिजली के तार काटे गए तब तक अखिला दम तोड़ चुकी थीं। बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने बताया कि आधा घंटा पहले ही उनकी मौत हो चुकी है। इस घटना के बाद लोगों में प्रशासन के खिलाफ गुस्सा और भी बढ़ गया है।

परिवार ने ठहराया प्रशासन को जिम्मेदार

अखिला के परिवार ने स्थानीय निकाय प्रशासन और बीबीएमपी के साथ शहर के इलेक्ट्रिसिटी मैनेजिंग बोर्ड को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि अगर इस संकट के समय बिजली के मामले में लापरवाही ना बरती गई होती तो आज अखिला की जान ना जाती। यह घटना वाइटफील्ड इलाके की है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस मामले में कोई केस दर्ज किया गया है या नहीं।

अखिला की बहन आशा ने बताया कि अखिला ग्रैजुएट थीं और वह एक संगीत विद्यालय में नौकरी करती थीं। उनका भाई दिव्यांग है इसलिए अखिला परिवार के लिए बेटे की तरह थीं। वह परिवार की जिम्मेदारी उठाती थीं। इस मामले में बीबीएमपी के आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने कहा कि अखिला की मौत दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मामले की जांच की जा रही है।

बेंगलुरु में नहीं है ऐसा पहला मामला

बेंगलुरु में पिछले कुछ ही महीने में इस तरह के चार मामले सामने आ चुके हैं। इससे पहले 21 साल के वसंत की भी जान करंट लगने की वजह से चली गई थी। वह सड़क पर लटकते तार की चपेट में आ गए थे। वहीं 22 साल के किशोर जब फुटपाथ पर टहल रहे थे तभी वह पोल के पास तार की चपेट में आए और करंट लगने से मौत हो गई। इसी तरह एक 30 साल के और एक 40 साल के शख्स की भी अचानक करंट लगने से मौत हो गई थी।

बाढ़ को लेकर सियासत

बेंगलुरु की बाढ़ को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री बोम्मई ने इस संकट के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि पहले की सरकार ने उचित प्रबंध नहीं किए।

कुशासन की वजह से निचले इलाकों में अवैध रूप से लोग बसे। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन इलाकों में वॉटर टैंक छोटे हैं वहां ओवरफ्लो हो रहा है।

बारामूला में गैर-स्थानीय को मतदाता के रूप में दर्ज किया जा रहा है : महबूबा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी(पीडीपी) अध्यक्ष एवं जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि प्रशासन ने एक उत्तरी जिले में अपने अधिकारियों को गैर स्थानीय मजदूरों और सुरक्षाकर्मियों को मतदाता के रूप में पंजीकृत करने के मौखिक आदेश दिए हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) हिरदेश कुमार द्वारा जम्मू में मतदाता सूची के विशेष सारांश संशोधन पर एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने के एक दिन बाद सुश्री मुफ्ती की प्रतिक्रिया सामने आयी है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पता चला है कि श्री कुमार ने सभी पार्टियों को आश्वासन दिया कि केवल जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) के तहत पात्र लोगों को मतदाता सूची में नामांकित किया जाएगा। मुफ्ती ने ट्वीट किया रिपोर्टों के अनुसार, जिला तहसीलदार द्वारा कल बारामूला में एक प्रशासनिक बैठक में गैर-स्थानीय मजदूरों तथा केंद्रीय बलों सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, बीएसएफ और सेना के

जवानों को मतदाता के रूप में नामांकित करने के लिए मौखिक आदेश पारित किए गए हैं। प्रशासन को इस पर सफाई देनी चाहिए।

पिछले महीने सीईओ श्री कुमार द्वारा घोषणा किए जाने के बाद कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के खत्म होने के बाद 'सामान्य रूप से रहने वाला' देश का प्रत्येक नागरिक यहां मतदाता के रूप में पंजीकरण कर सकता है और अगले विधानसभा चुनावों में मतदान कर सकता है, के बाद जम्मू-कश्मीर में एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि सारांश संशोधन अभ्यास के दौरान लगभग 25 लाख नए मतदाताओं के मतदाता सूची में जोड़े जाने की संभावना है।

कश्मीर में आतंकवादी मामले में छोपेमारी, तलाश अभियान जारी

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने मंगलवार को आतंकवाद से जुड़े मामले में कई स्थानों पर छापेमारी और तलाश अभियान शुरू किया।

एसआईए ने बताया कि छापेमारी और तलाश अभियान का उद्देश्य आतंकवादियों की मदद करने और उसे बढ़ावा देने वालों की पहचान करके कश्मीर घाटी में आतंकवाद का खात्मा करना है।

उन्होंने कहा कि छापेमारी और तलाश अभियान की कार्रवाई अवंतीपोरा, शोपियां, पुलवामा, अनंतनाग और बारामूला में की गयी। एसआईए ने कहा, तलाश अभियान के दौरान, आपत्तिजनक सामग्री, मोबाइल फोन और जांच से संबंधित अन्य सामान बरामद किए गए हैं। डेटा का विश्लेषण करने के बाद जो सुराग हाथ लगे वे आगे की जांच में सहायक बनेंगे।

उन्होंने कहा कि घाटी में एक सक्रिय आतंकवादी ग्रिड से संबंधित मामले की जांच के सिलसिले में यह तलाश अभियान चलाया गया है।

एसआईए ने कहा, शुरुआती चरण में जिन चीजों की जांच की जा रही है, उनमें पाकिस्तान के 'मास्टरमाइंड' शामिल हैं, जो पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के सक्रिय सहयोग से वहां स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन (संगठनों) के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर में अपने ओवरग्राउंड वर्कर्स (आतंकवादियों के मददगार) को सक्रिय कर रहे हैं। इस पाकिस्तानी मास्टरमाइंड की अमूमन पहचान कर ली गई है,।

टिकट बंटवारे में युवाओं और महिलाओं को देंगे प्राथमिकता

गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का ऐलान

अहमदाबाद। कांग्रेस इस साल के अंत में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए टिकट बंटवारे में युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता देगी। इसके साथ ही नए चेहरों को भी मौका दिया जाएगा। कांग्रेस की राज्य इकाई की स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष रमेश चेन्नीथला ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने इस साल दिसंबर में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनावों में पार्टी उम्मीदवारों की छंटनी करने के लिए पिछले महीने तीन सदस्यीय स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया था। चेन्नीथला को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता शिवाजीराव मोघे और दिल्ली के पूर्व विधायक जय किशन इसके सदस्य हैं। गुजरात कांग्रेस के प्रभारी

रघु शर्मा, प्रदेश पार्टी अध्यक्ष जगदीश ठाकोर और नेता प्रतिपक्ष सुखराम राठवा स्क्रीनिंग कमेटी के पदेन सदस्य हैं।

राहुल गांधी ने सोमवार को अहमदाबाद में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था, जिसके बाद शाम को स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्यों ने कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति के साथ एक संयुक्त बैठक की, जिसमें शर्मा और ठाकोर सहित 39 सदस्य शामिल हुए। चेन्नीथला ने मंगलवार को स्क्रीनिंग कमेटी की एक और बैठक से पहले संवाददाताओं से कहा कि इस बार हम टिकट वितरण में नए चेहरों, युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता देंगे। इस बार गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए हमारे उम्मीदवारों की सूची प्रभावशाली होगी।

गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि सोमवार को हुई संयुक्त बैठक एक-दूसरे से परिचित होने और उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने के लिए लागू किए जाने वाले विभिन्न मानदंडों पर चर्चा करने को लेकर थी। उन्होंने कहा कि मंगलवार को उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने से पहले जमीनी स्थिति को समझने के लिए, स्क्रीनिंग कमेटी वरिष्ठ नेताओं और प्रत्येक विधानसभा सीट के पार्टी प्रभारी से मुलाकात करेगी।

गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा के लिए साल के अंत में चुनाव कराए जाने की उम्मीद है। कांग्रेस पार्टी सितंबर के अंत तक अपने उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा कर सकती है।

आम आदमी पार्टी (आप) पहले ही 19 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने किसी उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है।

रेलवे जॉब रैकेट में 4 और गिरफ्तार, मास्टरमाइंड ने 2020 में लड़ा था दिल्ली विधानसभा चुनाव

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पिछले महीने भंडाफोड़ किए गए रेलवे जॉब रैकेट मामले में चल रही जांच के क्रम में दिल्ली पुलिस ने दो मास्टरमाइंडों सहित चार लोगों पकड़ने में सफलता हासिल की है। इनमें से एक आरोपी ने जन संभावना पार्टी के टिकट पर 2020 में दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ा था और हार गया था।

डीसीपी (रेलवे) हरेंद्र कुमार सिंह

ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि मुख्य मास्टरमाइंड सुखदेव सिंह और संदीप सिदाना को दिल्ली-एनसीआर में कई जगहों पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने कहा कि पहले गिरफ्तार किए गए दो व्यक्तियों- मोहम्मद रिजवान और अमनदीप सिंह के खुलासे के बाद मास्टरमाइंड को पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि रिजवान और अमनदीप ने मुख्य मास्टरमाइंड के रूप में सुखदेव और संदीप के नामों का खुलासा किया था। दोनों आरोपियों सुखदेव और संदीप के पास से ठगी के पैसों से खरीदी गई दो लग्जरी कारें और आपत्तिजनक साक्ष्य वाले आठ मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

बाईजी राज कुंड में डूबने से दो महिलाओं की मौत

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर शहर की धानमंडी थाना क्षेत्र में बाइजी राज कुंड भगवान के मनोरथ के दौरान छज्जा टूटने से पानी में डूबने दो महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार जलझूलनी एकादशी के दौरान बाइजीराज कुंड पर भगवान का मनोरथ हो रहा था। इसी दौरान कुछ महिलाएं कुंड के किनारे बने चबुतरे पर पहुंच गयी जिससे सात महिलाएं पानी में डूब गयी। घटना की सूचना पर तत्काल ही गोताखोर एवं सिवील डिफेंस की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यु अभियान से सभी महिलाओं को बाहर निकाला।

केरल के एक होटल से 11 श्रीलंकाई नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल में कोल्लम के एक होटल से पुलिस ने श्रीलंका के 11 नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। जिन्हें मछली पकड़ने के जहाज में कनाडा ले जाने की योजना बना रहे थे। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने मुताबिक तमिलनाडु क्यू ब्रांच पुलिस से सूचना मिलने के बाद केरल पुलिस ने सोमवार को श्रीलंकाई नागरिकों को एक होटल से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि उनमें से दो, दो सप्ताह पहले पर्यटक वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद तमिलनाडु पहुंचे और लापता हैं। जबकि अन्य नौ शरणार्थी के रूप में भारत आए और दक्षिणी तमिलनाडु के रामनाथपुरम में एक पुनर्वास केंद्र में रह रहे थे। जिसके बाद क्यू ब्रांच ने उन दोनों के फोन नंबर पर संपर्क किया गया तो उन्हें कोल्लम में पाया और केरल पुलिस को इस मामले की जानकारी दी।

पटनायक के स्वागत में उमड़ा लोगों का हुजूम

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को नयी दिल्ली में लाइफ टाइम सेवा सम्मान (लाइफटाइम अचीवमेंट) पुरस्कार से सम्मानित किया गया और मंगलवार को भुवनेश्वर लौटने पर पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। पटनायक को राजधानी दिल्ली में कैपिटल फाउंडेशन द्वारा रविवार को लाइफआइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। राजनीतिक विश्लेषक इसे 2024 में होने वाले आम चुनाव से पहले नवीन पटनायक तथा बीजू जनता दल (बीजद) का शक्ति प्रदर्शन मान रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने दिल्ली दौरे के दौरान ओडिशा में होने वाले निवेशक सम्मेलन के लिए वहां कई उद्योगपतियों से मिले और उन्हें सम्मेलन में भाग लेने के लिए निमंत्रित किया। मुख्यमंत्री पटनायक पांच दिवसीय दिल्ली दौरा खत्म कर आज भुवनेश्वर लौटे हैं। बीजद के अध्यक्ष का दिल्ली से लौटने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक विशाल अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन कर उनका स्वागत किया। बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से मुख्यमंत्री के आवास नवीन निवास तक और राजधानी की सड़कों पर भी बड़े-बड़े कटआउट, पोस्टर और बैनर लगाए गए। पार्टी कार्यकर्ता सड़क के दोनों ओर मुख्यमंत्री को बधाई देने के लिए झंड़े, पोस्टर तथा बैनर लिए हुए थे और नारेबाज़ी कर रहे थे।

हवाई अड्डे से उनके आवास तक विशेष रूप से डिजाइन की गई बस में सवार मुख्यमंत्री का अभिनंदन करने के लिए बीजद द्वारा आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक मंडलों ने नृत्य और संगीत की प्रस्तुति दी।

भाजपा नेता की हत्या के एक आरोपी को किया गिरफ्तार

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के जघीना गेट थाना क्षेत्र में गत रविवार की हुई भारतीय जनता पार्टी के नेता की हत्या के मामले में पुलिस ने आज एक आरोपी को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी मथुरागेट रामनाथ सिंह ने बताया कि कुवरजीत सिंह निवासी चार थोक जघीना थाना उद्योगनगर को गिरफ्तार कर अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। हत्या के इस सनसनीखेज मामले को लेकर गिरफ्तार कुंवरजीत, उसके बेटे कुलदीप सिंह, विजयपाल, हरपाल, वीरो, प्रभाव, शेर सिंह, मौना, सुधांशु गौड़, कौशल व योगराज पर हत्या का आरोप लगाते थाना मथुरागेट में नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया है। गौरतलब है कि रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य एवं मल्लखंभ के जिलाध्यक्ष मृतक कृपाल सिंह जघीना भरतपुर का हिस्ट्रीशीटर रह चुका है और उसके खिलाफ पुलिस के थानों में 15 मुकदमे दर्ज है जबकि हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुलदीप जघीना के खिलाफ 16 मामले दर्ज है।

साइरस मिस्त्री का मुंबई में अंतिम संस्कार, रतन टाटा की मां ने की शिरकतं

मुंबई। टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष साइरस मिस्त्री का मंगलवार को मुंबई में अंतिम संस्कार कर दिया गया। मिस्त्री की रविवार को कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। वह 54 वर्ष के थे। मध्य मुंबई के वर्ली शवदाह गृह में हुए अंतिम संस्कार में पारसी समुदाय के सदस्य, कुछ कारोबारी नेता और राजनीतिक नेता शामिल हुए।

दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा की सौतेली मां सिमोन टाटा भी अंतिम संस्कार में शामिल हुईं। सिमोन (92) विशेष वैन के जरिए व्हीलचेयर पर शवदाह गृह पहुंचीं। टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के पूर्व प्रमुख एस. रामदुरई भी शवदाह गृह पहुंचे। हालांकि, टाटा समूह का कोई अन्य वरिष्ठ अधिकारी अंतिम संस्कार में नहीं दिखा। टाटा समूह के साथ मिस्त्री को अंत तक काफी कड़वी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी थी।

टाटा संस का चेयरमैन रहते हुए मिस्त्री द्वारा चुने गए प्रमुख अधिकारियों में से एक मधु कन्नन को अंतिम संस्कार में देखा गया। साइरस मिस्त्री के बड़े भाई शापूर मिस्त्री, ससुर व वरिष्ठ वकील इकबाल छागला, उद्योगपति अनिल अंबानी, अजीत गुलाबचंद, दीपक पारेख और विशाल कंपानी, उद्यमी रोनी स्क्रूवाला, वास्तुकार हफीज कॉन्ट्रैक्टर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता सुप्रिया सुले व गणेश नाइक और कांग्रेस के पूर्व सांसद मिलिंद देवड़ा शवदाह गृह में मौजूद थे। मिस्त्री का पार्थिव शरीर सफेद फूलों से सजे वाहन में जे जे अस्पताल से लाया गया था और मंगलवार सुबह से वर्ली शवदाह गृह में रखा गया था ताकि मित्र और रिश्तेदार उनको श्रद्धांजलि दे सकें। दोपहर से ठीक पहले एक इलेक्ट्रिक शवदाह गृह में मिस्त्री का अंतिम संस्कार किया गया। इसमें शामिल होने वालों के अनुसार अंतिम संस्कार से पहले एक पूर्व निर्धारित समय पर परिवार के पुजारी ने पारसी परंपरा के अनुसार पूजा की।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में रविवार दोपहर को हुई सड़क दुर्घटना में मिस्त्री और उनके दोस्त जहांगीर पंडोले की मौत हो गई थी। वे दोनों दक्षिण गुजरात स्थित उदवाडा से लौट रहे थे, जो पारसी धर्म के लोगों के लिए सबसे पवित्र स्थल है।

तेलंगाना के एक छात्रावास में दूषित खाना खाने से बीमार पड़ी 33 छात्राएं

एजेंसी

वारंगल। तेलंगाना के वारंगल जिले के वर्धन्नापेट में स्थित गिरिजन आश्रम गर्ल्स हाई स्कूल छात्रावास में दूषित खाना खाने से करीब 33 छात्राएं बीमार पड़ गईं। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वर्धन्नापेट स्थित आश्रम स्कूल में 192 विद्यार्थी पढ़ते हैं। इनमें से 150 छात्रों ने सोमवार शाम करीब सात बजे जब खाना खा रहे थे तो उनमें से एक छात्रा को खाने में मरी हुई छिपकली दिखाई दी। इस मामले की सूचना कुकिंग मास्टर को दी गई और उन्हें खाना परोसना बंद कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि छात्रावास की 33 छात्राओं को खाना खाने के एक घंटे बाद पेट दर्द और उल्टी आने लगी। आश्रम के अधिकारियों ने स्थानीय लोगों के साथ तुरंत 108 एम्बुलेंस सेवा को बुलाया और छात्राओं को वर्धनपेट सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

पीड़ित 33 छात्राओं में से आठ छात्राओं की हालत गंभीर है। उन्हें बेहतर उपचार के लिए एमजीएम अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है।

इस बीच स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव, ग्रामीण विकास मंत्री एराबेली दयाकर राव और आदिवासी मामलों के मंत्री सत्यवती राठौड़ ने एमजीएम अस्पताल के अधीक्षक डॉ वी चंद्रशेखर को फोन कर पीड़ित छात्राओं के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने डॉ चंद्रशेखर को यह भी सुझाव दिया कि यदि आवश्यक हो तो छात्राओं को हैदराबाद एनआईएमएस अस्पताल ले जाया जाए।

शार्ट न्यूज

नागलोई स्कूल में पंखा गिरने से घायल छात्रा का सांसद मनोज तिवारी ने कराया एम्स में इलाज

नई दिल्लीञ नागलोई स्थित दिल्ली सरकार के विद्यालय में क्लास रूम में पंखा गिरने से घायल हुई छात्रा का इलाज अब एम्स में होगा और इसके लिए उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने परिवार को पूरी मदद करने का भरोसा दिलाया और अपनी गाड़ी से भेज कर एम्स के ट्रॉमा सेंटर में घायल छात्रा की चिकित्सीय जांच करवाई विगत 27 अगस्त को दिल्ली सरकार के नागलोई स्थित विद्यालय में क्लास रूम में पढ रही छात्रा के सिर पर चलता हुआ पंखा गिर गया और वह बुरी तरह घायल हुई स्कूल प्रशासन ने पास के ही एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया जहां 2 दिन तक छात्रा सघन चिकित्सा वार्ड में भर्ती रही और उसके पश्चात उसे घर भेज दिया गया लेकिन अगले ही दिन छात्रा फिर बेहोश हो गई तो उसे संजय गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया लेकिन छात्रा के परिजन मौजूदा इलाज से संतुष्ट नहीं थे ।ये जानकारी आने पर आज उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने भेंट की और अपनी गाड़ी से तुरंत एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भेज कर इलाज कराया। सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि घायल छात्रा की माँ ने मुझसे अच्छे अस्पताल में इलाज कराने की इच्छा जाहिर की ।उनकी इच्छा थी कि घायल छात्रा का इलाज एम्स में हो मैंने तुरंत डॉक्टरों से बात कर उन्हें यह सुविधा उपलब्ध कराई इसके अलावा भी पीड़ित छात्रा के इलाज में जो भी मदद करनी पड़ी मैं करूंगा क्योंकि दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार के जानलेवा स्कूल में घायल हुई छात्रा को दिल्ली सरकार के बदहाल अस्पतालों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता उन्होंने आरोप लगाया की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा इसी बात से साबित होती है कि शिक्षा मंत्री या दिल्ली के मुख्यमंत्री छात्रा के परिवार से मिलने भी नहीं गए और ना ही समुचित इलाज की व्यवस्था की।

मेट्रो स्टेशन के बाहर भाजपा चला रही हस्ताक्षर अभियान, सिसोदिया को पद से हटाने की मांग

नई दिल्ली। भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच तल्खियां बढ़ती ही जा रही हैं। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को उनके पद से हटाने के लिए अब भाजपा जनता से सपोर्ट मांग रही है। दिल्ली भाजपा के नेताओं ने मंगलवार से एक हस्ताक्षर अभियान चलाया है। इस अभियान के जरिए मनीष सिसोदिया को सरकार से हटाने के लिए जनता से सपोर्ट मांगा। इसके तहत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की करीब अहम 20 मेट्रो स्टेशन के बाहर यह कैंपेन चलाया गया। इस कैंपेन में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, सांसद मनोज तिवारी और रमेश बिधूड़ी भी शामिल हुए। करोल बाग मेट्रो स्टेशन के बाहर मीडिया से बातचीत में आदेश गुप्ता ने कहा, सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक स्टिंग वीडियो जारी किया था। जिसके जरिए केजरीवाल सरकार द्वारा किये गये शराब घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। हम सिसोदिया को हटाने के लिए लोगों से मदद मांग रहे हैं। आम आदमी पार्टी के नेता अब तक सभी सवालों से बचते रहे हैं। भाजपा नेता और विधायक शाम के वक्त मनीष सिसोदिया के घर के बाहर प्रदर्शन भी करेंगे। बता दें कि दिल्ली में कथित शराब घोटाले की जांच अभी चल रही है। इस मामले में राज्य के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को भी आरोपी बनाया गया है। सोमवार को मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया था कि शराब नीति में घोटाले की जांच कर रहे एक सीबीआई अफसर ने दबाव की वजह से सुसाइड कर लिया था।

गुरुग्राम में के गोदाम में लगी भीषण आग, चपेट में आई तीन बसें भी जलकर राख

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में भीषण आग लगने हादसे की खबर सामने आई है। इसमें तीन बसों को भी नुकसान हुआ है। दरअसल, गुरुग्राम के शीतला माता रोड स्थित सीआरपीएफ चौक के समीप खाली जगह पर बने पानी की टंकी के गोदाम में मंगलवार को भीषण आग लग गई। इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और इसके बगल में वर्कशॉप में खड़ी तीन बसें भी इस आग चपेट में आ गईं। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक लाखों को नुकसान हो गया।

अस्पताल की फीस लेने के बहाने 60 हजार ठगे

नोएडा। साइबर अपराधी ने सेक्टर-117 निवासी व्यक्ति से 60 हजार रुपये ठग लिए। उन्होंने ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने के लिए इंटरनेट पर फोन नंबर सर्च किया था। उस नंबर पर संपर्क करने के बाद उनके साथ अस्पताल की फीस जमा कराने का झांसा देकर जालसाजी हो गई। उन्होंने इस संबंध में सेक्टर-113 थाने में केस दर्ज कराया है। सेक्टर-117 स्थित यूनिटेक होम सोसाइटी निवासी अमितेश कुमार ने पुलिस को शिकायत दी है कि उन्होंने कुछ दिन पहले एक अस्पताल में ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने के इंटरनेट से फोन नंबर लिया था। उन्होंने संबंधित नंबर पर कॉल की। कॉल रिसीव करने वाले ने खुद को अस्पताल का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि अपॉइंटमेंट फीस का ऑनलाइन भुगतान करना होगा। इसके बाद उसने उनके मोबाइल पर एक लिंक भेजा। उसने कहा कि लिंक पर क्लिक करने के बाद भुगतान किया जा सकता है। इस पर अमितेश ने लिंक पर क्लिक कर दिया। जैसे ही उन्होंने क्लिक किया तो उनका मोबाइल हैक हो गया। इसी बीच ठग ने उनके खाते से यूपीआई के जरिए 60 हजार रुपये निकाल लिए। कुछ देर बाद मोबाइल पर मैसेज आया तो उन्हें ठगी का पता चला। फिर पुलिस को मामले की शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नौकरी लगवाने के बाद महिला से दुष्कर्म

नोएडा। महिला ने मैनेजर पर कंपनी में नौकरी लगवाने के बाद दुष्कर्म और अप्राकृतिक यौनाचार करने का आरोप लगाया है। महिला ने उसके खिलाफ सेक्टर-113 थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित महिला ने पुलिस को शिकायत दी है कि उसने नौकरी के लिए एक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया था। इसके बाद नीरज नामक युवक ने उससे संपर्क किया। उसने खुद को बड़ी कंपनी का मैनेजर बताया। उसने कंपनी में उसकी नौकरी लगवा दी। नौकरी लगवाने के बाद नीरज उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। विरोध करने पर उसने नौकरी से निकालने की धमकी दी। वह कुछ समय पहले उसको सेक्टर-76 में अपने घर पर लेकर गया। आरोप है कि यहां नीरज ने नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो भी बना ली। वीडियो के आधार पर उसने उसे ब्लैकमेल करके कई बार दुष्कर्म किया। उसने अप्राकृतिक यौनाचार भी किया। उसकी हरकतों से तंग आकर उसने कंपनी से नौकरी छोड़ दी। इसके बाद भी वह उसे परेशान करता रहा। उसकी करतूत से तंग आकर उसने पुलिस को शिकायत दी।

युवक के खाते से 30 हजार रुपये निकाले

नोएडा। साइबर अपराधी ने युवक से उसके बैंक खाते की डिटेल लेकर 30 हजार रुपये निकाल लिए। इसको लेकर पीड़ित ने सेक्टर-20 थाने में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी शिकायत में विवेक शर्मा ने बताया कि वह परिवार के साथ सेक्टर-19 में रहते हैं। ठग ने उनके बैंक खाते से धोखाधड़ी करके 30 हजार रुपये निकाल लिए। जब उनके मोबाइल पर ट्रांजेक्शन का मैसेज आया तो ठगी का पता चला। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उपचार के दौरान किशोर की मौत

नोएडा। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सर्फाबाद गांव में एक किशोर की मौत के मामले में उसके परिजनों ने एक झोलाछाप डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही बरतने के आरोप लगाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के परिजनों ने झोलाछाप के खिलाफ थाने में शिकायत दी है। 15 वर्षीय मयंक परिवार के साथ सर्फाबाद गांव में रहता था। वह कुछ समय से बीमार था। परिजनों ने मयंक का सर्फाबाद गांव में एक क्लीनिक पर उपचार करवाना शुरू कर दिया। इसी बीच उसकी हालत बिगड़ गई। परिजनों ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

शराब से 269 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई

सितंबर के पहले हफ्ते में रोज बिकीं 8 लाख बोतलें

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार को शराब बिक्री से सितंबर के पहले हफ्ते में 269 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल हुआ है। पुरानी आबकारी नीति के तहत अभी दिल्ली के 4 सरकारी निगम मिलकर शराब की बिक्री कर रहे हैं। इससे सितंबर के पहले हफ्ते में अब तक 269 करोड़ रुपये का रेवेन्यू आया है। यह सरकारी निगम मिलकर अभी 380 वाइन और बीयर की दुकानें चला रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है आने वाले दिनों में 1000 ब्रांड के शराब उपलब्ध होंगे और भी ज्यादा दुकानें खुलेंगी जिससे बिक्री बढ़ेगी।

बता दें कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने 1 सितंबर से पुरानी आबकारी नीति के तहत शराब की बिक्री का ऐलान किया था। इसके तहत दिल्ली टूरिज्म एंड ट्रांसपोर्टेशन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, दिल्ली स्टेट सिविल सप्लाइज कॉरपोरेशन और दिल्ली कन्ज्यूम्स कोऑपरेटिव होलसेल स्टोर के द्वारा शराब की 350 दुकानें खोली गई थीं।

आबकारी विभाग की तरफ से एक बयान में कहा गया है कि 5 सितंबर तक 269.08 करोड़ रुपये का एक्साइज रेवेन्यू आया है। इसमें लाइसेंस फी और एक्साइड ड्यूटी भी शामिल है।

शराब की दुकानों पर सितंबर के पहले हफ्ते में हर दिन करीब 8 लाख बोतलें बिकी हैं। आने वाले दिनों में इसके बढ़ने की उम्मीद भी है। 28 फरवरी 2023 तक करीब 926 होटल, क्लब और रेस्टोरेंटों के शराब लाइसेंस रिन्यू हो जाएंगे।

ताजा आंकड़ों के मुताबिक, शहर में अभी 387 शराब की दुकाने खुली हैं। सरकार ने सितंबर में 500 शराब दुकानें खोलने की इजाजत दी है। इस साल के अंत तक इसे बढ़ाकर 700 किया जाएगा।

आबकारी नीति 2021-2022 के तहत प्राइवेट दुकानों से हर रोज करीब 13 से 14 लाख शराब की बोतलों की बिक्री होती थी। इस नीति को जुलाई में सरकार ने वापस ले लिया था। दरअसल दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस नीति की सीबीआई से जांच कराए जाने की सिफारिश की थी। इस आबकारी नीति में भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं।

आबकारी विभाग ने कई प्रीमियर दुकानें और शॉपिंग मॉल में शराब की 6 स्टोर खोलने की योजना भी बनाई है। आने वाले दिनों में शराब की 1,000 से नई ब्रांडें भी दिल्ली में लाई जाएंगी।

राजकीय बाल संरक्षण गृह गौतमबुद्धनगर का निरीक्षण तथा विधिक जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में तथा जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर के दिशा-निर्देशन में जयहिंद कुमार सिंह सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में मंगलवार को राजकीय बाल संरक्षण गृह गौतमबुद्धनगर का निरीक्षण तथा विधिक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव द्वारा बाल-अपचारियों के विधिक अधिकारों, पाक्सो अधिनियम के अन्तर्गत निहित प्रविधानों तथा किशोर न्याय (बालकों के देख-रेख व संरक्षण) अधिनियम 2015 के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में उपस्थित दिव्यंकात सिंह राठौर प्रधान मजिस्टेट किशोर न्याय बोर्ड द्वारा किशोर आपचारियों को किशोर न्याय अधिनियम के बाबत जानकारी उपलब्ध कराई गई। इसके अतिरिक्त केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित बाल अपचारियों के लाभार्थ योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। निरीक्षण के दौरान राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह के प्रभारी अधीक्षक धर्मेन्द्र मौर्य द्वारा आज की तिथि पर कुल 143 बाल अपचारी निरुद्ध होने की जानकारी दी गयी। जिसमें 52 गौतमबुद्धनगर, 73 गाजियाबाद, 18 सहारनपुर बाल अपचारी गौतमबुद्धनगर के निरुद्ध हैं। बाल-आपचारियों के रहन-सहन व खान-पान आदि के बारे में पूछताछ किया गया तो प्रातः नाश्ते में अचार, दुध व पूरी तथा दोपहर के भोजन में दाल, चावल, रोटी, सूखी सब्जी व सलाद मिलने की जानकारी दी गयी।

किडनी रैकेट : ईडी ने दी अमित राउत की जमानत को चुनौती, दिल्ली हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कथित अवैध ऑर्गन ट्रांसप्लांट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अमित कुमार राउत उर्फ अमिश रावल को दी गई जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर जवाब मांगा। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट द्वारा दी गई जमानत को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति आशा मेनन ने अमित कुमार राउत के वकील को दो सप्ताह में दायर याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले को आगे की सुनवाई के लिए 12 अक्टूबर 2022 को सूचीबद्ध किया गया है। ईडी के विशेष वकील ने तर्क दिया कि सत्र न्यायालय ने जमानत देते समय धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 45 के प्रावधानों की अनदेखी की जो अभी भी लागू है। 22 अगस्त, 2022 को देहरादून जेल से उनकी रिहाई का आदेश पारित किया गया था। यह विशेष वकील अनुपम एस शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया था। अमित राउत के खिलाफ अवैध मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए दस मामले दर्ज हैं और उनमें से एक में गुरुग्राम में दोषी ठहराया गया था। इतना ही नहीं गुरुग्राम में दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में जमानत मिलने के बाद वह फरार हो गया। शर्मा ने कहा कि जब तक उसे फिर से पकड़ा गया, यह स्पष्ट हो गया कि वह एक कल्पित नाम के तहत देहरादून में उसी गतिविधि में शामिल था। उन्होंने यह भी प्रस्तुत किया कि एक ईसीआईआर के साथ देहरादून में एक मामला दर्ज किया गया है जो वर्तमान ईसीआईआर है। इसलिए, यह प्रस्तुत किया गया कि जमानत रद्द कर दी जाती है और आरोपी/प्रतिवादी को हिरासत में ले लिया जाता है। अमित राउत के लिए अधिवक्ता स्नेहा आर्य ने प्रस्तुत किया कि जमानत देने के आदेश में कोई त्रुटि नहीं थी, पीएमएलए की धारा 45 (1) के प्रावधान, संशोधन के बाद, ट्रायल कोर्ट को जमानत पर रिहा करने के विवेक के साथ निहित करता है। एक करोड़ रुपये से कम की राशि से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी।

ग्रीन ड्राइव से पर्यावरण की सुरक्षा में एक नया कदम

संवाददाता/गौरवशाली भारत

गौतमबुद्धनगर। गलगोटियास यूनिवर्सिटी के संरक्षण में स्टार्ट-अप इनक्यूबेटेड : के तहत 4डीऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापकों शोभित अग्रवाल, तरुण सात्यकी, शैलवी गुप्ता, पृथ्वी राज चौधरी ने पर्यावरण की सुरक्षा के ध्यान में रखते हुए ई-क्रूज़ इलेक्ट्रिक साइकिलका किया निर्माण। उच्च कोटि की गुणवत्ता से परिपूर्ण इसकी तकनीकी विशेषताएँ ये हैं। इसमें (250W शक्तिशाली मोटर, हाई टॉर्क, जीपीएस लोकेशन, एंटी-थेफ्ट अलार्म, कीलेस रिमोट लॉकिंग, रिमूवेबल बैटरी, डबल डिस्क, फ्रंट शॉकर) लगे हुए हैं।

ई-क्रूज इस प्राइस सेगमेंट की सबसे स्मार्ट बाइक है। अपने आईपीएएस सिस्टम के साथ उपयोगकर्ता न केवल ई-क्रूज़ की सवारी ही करेंगे। बल्कि ग्राहक फन राइड की तरह इसका आनंद भी लेंगे।

4 डी-टेकर मोबाइल एप्लिकेशन के साथ एंटी-थेफ्ट अलार्म और जीपीएस ट्रैकिंग यह उपयोगकर्ता को मानसिक शांति प्रदान करता है, क्योंकि वे अपने ई-क्रूज को कहीं भी कभी भी ट्रैक कर सकते हैं।

4 डीऑटोमोटिव ने गलगोटिया विश्वविद्यालय को 40 ई-बाइक वितरित की। कंपनी ने इस डिलीवरी प्रक्रिया के लिए एक ई-बाइक ग्रीन ड्राइव का आयोजन किया जहां गलगोटियास यूनिवर्सिटी के 40 छात्र कैंपस 1 (जीसीईटी) से कैंपस 2 (जीयू) तक ई-बाइक चला कर ले गये। ये दूरी लगभग 15 किलोमीटर है। इस अभियान का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों पर स्विच करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना है। ड्राइव कैंपस 1 (जीसीईटी) से शुरू हुआ जहां कॉलेज के निदेशक ने ड्राइव को हरी झंडी दिखाई और कैंपस 2 में यूनिवर्सिटी के चैयरमैन सुनील गलगोटिया ने रिसीव किया।

4 डीऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापकों ने छात्र सशक्तिकरण की दिशा में लगातार मदद और समर्थन के लिए चैयरमैन सुनील गलगोटिया, सीईओ ध्रुव गलगोटिया छात्र परिषद, और इनक्यूबेशन सेल को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर आशीष मिश्रा एडमिन, श्रीशांत शर्मा मीडिया, पॉलिटैक्निक से भगवत प्रशाद शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे।

एनजीटी से नोएडा प्राधिकरण को झटका

प्राधिकरण की पुर्नविचार याचिका खारिज, देने होगा 100 करोड़ का जुर्माना

नोएडा। एनजीटी ने नोएडा प्राधिकरण को एक मामले में 100 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण ने एनजीटी ने पुर्नविचार याचिका दायर की थी। जिसे आज एनजीटी ने खारिज करते हुए 100 करोड़ रुपए जुर्माना देने का आदेश दिया और कहा कि आप चाहे तो हायर कोर्ट जा सकते है।

दरअसल, पांच अगस्त को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने नोएडा प्राधिकरण पर 100 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। ये जुर्माना नोएडा के अभिष्ठ कुसुम गुप्ता की एक याचिका पर लगाया गया था। जिसमे कहा गया था कि दिल्ली से नोएडा में प्रवेश कर सेक्टर-168 होते हुए यमुना तक जाने वाले करीब 21 किमी लंबे सिचाईं नाले की साफ-सफाई नहीं की गई।

नोएडा प्राधिकरण और दिल्ली जल बोर्ड की ओर से जो भी तथ्य प्रस्तुत किए गए वे इस प्रयोजन के लिए नाकाफी रहे। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने माना कि नाले की वजह से पर्यावरण को काफी नुकसान हुआ था। इसको लेकर यूपी व दिल्ली के चीफ सेकेट्री स्तर के अधिकारी इस मामले को गंभीरता लेते हुए संबंधित अथॉरिटी की जिम्मेदारी तय करने का निर्देश दिए थे।

एनजीटी ने आदेश में दिल्ली जल बोर्ड को भी फटकार लगाते हुए 50 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की रकम सेंट्रल पलूशन कंट्रोल बोर्ड के खाते में दोनों अथारिटीस को अलग-अलग जमा करनी थी। इस मामले में पुर्नविचार याचिका दायर की गई। जिसमे प्राधिकरण की याचिका को खारिज करते हुए फटकार लगाई और कहा कि आप हायर कोर्ट जा सकता है।

अभिष्ठ कुसुम गुप्ता ने बताया कि नाले की सफाई के मामले को लेकर एक अक्टूबर 2018 को उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। वहां सुनवाई के दौरान एनजीटी जाने के लिए कहा गया।

1 नवंबर 2018 को उन्होंने एनजीटी में याचिका दायर की। जिसमें 5 अगस्त को एनजीटी ने सुनवाई करते हुए नोएडा प्राधिकरण और दिल्ली जल बोर्ड के खिलाफ निर्देश दिए थे।

मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारी ने एक्सपो मार्ट में पहुंचकर किया स्थलीय निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा। आगामी 12 सितंबर को एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में वर्ल्ड डेरी सम्मिट 2022 का शुभारंभ होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री के कर कमलों द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री वीवीआईपी कार्यक्रम को लेकर 1 दिन पूर्व 11 सितंबर को एक्सपो मार्ट पहुंचकर स्थल निरीक्षण कर सकते हैं। जनपद में वीवीआइपी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने एवं सुरक्षा की दृष्टि से समस्त प्रबंध यथा समय पूर्ण किए जाने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह एवं मंडल आयुक्त मेरठ सुरेंद्र सिंह तथा जिला अधिकारी सुहास एल वाई के द्वारा एक्सपो मार्ट पहुंचकर संयुक्त रुप से स्थल निरीक्षण किया गया। गहन स्थल निरीक्षण के दौरान सभी अधिकारियों के द्वारा व्यवस्था एवं सुरक्षा के संबंध में गहन विचार विमर्श करते हुए मौके पर ही प्रशासनिक एवं पुलिस के अधिकारियों को कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रशासनिक एवं पुलिस के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी संबंधित अधिकारीगण अपने अपने स्तर की समय रहते सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे।

थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने दिल्ली से शराब लाकर अवैध भंडारण कर बिक्री करने वाले एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने एक शराब तस्कर अभियुक्त अरूण गुप्ता पुत्र दयानन्द प्रसाद निवासी गली नंबर 17 मकान नंबर ई-18 हिन्डन विहार सेक्टर 49 थाना सेक्टर 49 नोएडा को गंदा नाला सैक्टर 168 की झाड़ियो से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने 21 पेटी कुल 1008 पव्वे रायल स्टेग, 6 पेटी बीयर कुल 144 केन बीयर बरामद की हैं। अभियुक्त ने बताया कि दिल्ली में एक पेटी के साथ एक पेटी फ्री स्कीम के चलते उसने एक कमरा किराए पर लेकर शराब का भंडारण कर लिया था ।आज मैं इस शराब को बेचने के लिए जा रहा था लेकिन जगह-जगह चैकिंग होने के कारण मैंने किराये की गाडी़ से सारी शराब यहीं झाड़ियो में उतार कर छिपा ली थी कि आप लोगो ने पकड लिया ।अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है।

ग्रेटर नोएडा में किसान रोजगार संगठन करेगा आंदोलन

स्थानीय युवाओं के रोजगार को लेकर कंपनियों पर करेंगे धरना प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के स्थानीय युवाओं को कंपनियों में नौकरी की मांग को लेकर किसान रोजगार संगठन ने आंदोलन की तैयारियां कर ली है। यहां पर बनने वाली कंपनियों में स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। जिससे यहां के युवा बेरोजगार हैं। युवाओं के रोजगार के लिए किसान रोजगार संगठन आगामी 8 सितंबर को सेमकॉन कंपनी पर धरना प्रदर्शन करेगा और यह आंदोलन युवाओं को रोजगार मिलने तक जारी रहेगा। किसान बेरोजगार संगठन ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में एक वार्ता की, जिसमें बताया कि स्थानीय युवाओं को यहां पर स्थापित होने वाली कंपनियां रोजगार नहीं दे रही हैं। कंपनियों के गेट से स्थानीय युवाओं को लोकल कहकर लौटा दिया जाता है। यही के लोगों की जमीन पर कंपनियां बनी हुई है लेकिन कंपनियों में स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं दिया जा रहा है। कई बार प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से शिकायत के बाद भी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ।

रोजगार न मिलने तक धरना रहेगा जारी

इसी को लेकर किसान रोजगार संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा तो 8 अगस्त को सेमकॉन कंपनी पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरना प्रदर्शन के दौरान कंपनी की तालाबंदी कर गेट बंद किए जाएंगे और जब तक स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

कंपनियों को स्थानीय युवाओं देने होगा रोजगार

किसान बेरोजगार सभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता विजयपाल भाटी ने बताया की गौतमबुद्ध नगर में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यमुना प्राधिकरण द्वारा जमीन को अधिग्रहण कर उद्योग लगाए जा रहे हैं काफी कंपनियां बनाई गयी है लेकिन हमारी ज़मीन पर बनी कम्पनी में हमारे बच्चों के लिए ही रोजगार नहीं है। इसको लेकर हम आंदोलन करेंगे, जिसकी शुरवात 8 सितम्बर से सेमकॉन कंपनी पर धरना देकर होगी।

नोएडा पुलिस ने पकड़ा फर्जी कॉल सेंटर

विदेशी कॉल को जियो नेटवर्क में बदलकर कराते थे बात, राजस्व को 30 करोड़ का लगाया चूना

नोएडा। नोएडा पुलिस ने फर्जी एक्सचेंज बनाकर विदेशी काल को भारतीय कॉलों में डायवर्ट करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कॉल सेंटर चलाने वाली मुख्य आरोपी एक महिला है। इन लोगों ने भारत सरकार को 30 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान किया है।

रिलाइंस ने दी थी ये शिकायत

पांच सितंबर को अजीत असिस्टेंट मैनेजर नेटवर्क रिलाईन्स जीयो इनफोर्म लि. व असिस्टेंट मैनेजर नेटवर्क रिलाइंस ने शिकायत की। उन्होंने बताया कि सी-59 सेक्टर 63, नोएडा में रजत दुग्गल डायरेक्टर ऑफ गेट ग्रेट डिजिटल मार्केटिंग प्रलि. फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज है।

ऐसे विदेशी कॉल को लोकल नेटवर्क पर लेते थे

पुलिस ने दबिश देकर सेक्टर-63 से स्वीटी शर्मा पुत्र रामेश्वर शर्मा निवासी बिसरख व पंकज साफी निवासी बिहार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में बताया कि विदेशों से आने वाली काल को राउटर के द्वारा लोकल काल में बदलकर जियो कम्पनी के नेटवर्क के द्वारा लोगों से बातचीत कराई जाती थी। इससे भारत सरकार को भारी राजस्व की हानि हो रही थी।

फर्जी कॉल सेंटर से ये हुआ बरामद

पुलिस ने इनके कब्जे से 30 लाख रुपये का 8 कीबोर्ड, 14 माउस, 5 हैड फोन, 05 लैपटाप चार्जर, 5 राउटर चार्जर, 6 कम्प्यूटर डेक्सटॉप लीड, 02 कन्कैटिव वायर, 7 एलसीडी मानीटर, 06 राउटर इन्टरनेट, 03 इंटरनेट कनेक्शन बाक्स, 03 सीपीयू, 01 सर्वर सीपीयू, 05 सर्वर, 08 लेपटॉप विभिन्न मार्का, 01 मोहर व 03 मोबाइल फोन विभिन्न कंपनी के बरामद किए है।

करेंसी ट्रेडिंग के नाम ठगी करने वाला गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा साइबर क्राइम थाना पुलिस ने डीमेट खाता खुलवा कर ठगी करने वाले गैंग के एक आरोपी को गिरफ्तार मध्यप्रदेश के देवास से गिरफ्तार किया है। साइबर सेल प्रभारी रीता यादव ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर 500 डीमैट खाते खुलवा कर करीब 15 करोड़ की ठगी को अंजाम दे चुका है। आरोपियों ने गाजियाबाद निवासी अशोक मिश्रा से 15 लाख की ठगी की थी । आरोपी मध्यप्रदेश के इंदौर में दफ्तर खोल कर करेंसी ट्रेडिंग का अलग से सॉफ्टवेयर बना कर लोगों को मुनाफा दिखाता था। इसकी पहचान शोएब हुई है।

शोएब ने अमदानी सॉल्यूशन नाम से ऑफिस खोलकर अपने साथियों के साथ लोगों को फोन कर करेंसी में ट्रेडिंग करने के डीमैट खाता खुलवाते थे। डीमैट खातों का एडिमन एक्सिस करने के लिए यूजर आईडी व पासवर्ड अपने पास ही रखते थे। इन लोगों ने ट्रेडिंग की फर्जी एंड्राइड एप्लीकेशन मेटा ट्रेडर्स-05 नाम से बनाकर प्ले स्टोर पर अपलोड कर रखी थी।

ये लोग अलग-अलग कस्टमर से डिमैट खातों में पैसा मंगवाते थे। डिमैट खातों में दिखाई देने वाली धनराशि केवल डिजिट के रुप में कस्टमर को बढ़ती हुई दिखाई देती थी। जबकि असल में वह धनराशि बढ़ती नहीं थी।

संपादकीय

अंधेरी जिन्दगियों में रोशनी के लिये नेत्रदान करें

देश भर में हर साल 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक मनाए जाने वाले नेत्रदान पखवाड़े का मकसद यही है कि लोगों में नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियां दूर हो एवं नेत्रदान के लिये लोगों को प्रोत्साहित किया जाये। किसी व्यक्ति के जीवन में नेत्रदान के महत्व को समझने के साथ ही नेत्रदान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करने के लिये सरकारी संगठनों, सार्वजनिक संस्थानों और दूसरे व्यवसायों से संबंधित लोगों द्वारा हर वर्ष यह पखवाड़ा मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर के अंग ही क्यों न हो। इस दृष्टि से नेत्रदान एक महान् दान है, जो हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। किसी के द्वारा दिये गये नेत्र से किसी को जीवन में रोशनी मिल सकती है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है।

आंखों के अभाव में जीवन जटिल, अंधकारमय एवं अधूरा होता है। व्यक्ति की आंखें न केवल जीवनभर उसे रोशनी देती हैं वरन मरने के बाद किसी और की जिंदगी का अंधेरा भी दूर कर सकती हैं। यह अंधेरा कैसे मिटाया जा सकता है इस सवाल का जवाब भी हमारे पास ही है। नेत्रदान के जरिए ही उन लोगों के जीवन में रोशनी लाई जा सकती है जिन्हें अंधेरा अभिशाप के रूप में मिला है। कॉर्निया खराबी के कारण हुई अंधता से ग्रसित व्यक्तियों के लिए नेत्रदान वरदान है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह नेत्रदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में अंगदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर नेत्रदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों एवं रोशनी का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह नेत्रदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा प्रदान करती है।

समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाकर भारत नेत्रदान के क्षेत्र में एक सम्मानजनक मुकाम पर पहुंच सकता है। यदि सभी मृत व्यक्तियों द्वारा नेत्रदान किया जाए तो देश में कोई भी कॉर्निया में खराबी होने के कारण हुई अंधता से ग्रसित नहीं होगा। तथ्यों की रोशनी में लगभग 1 करोड़ 80 लाख व्यक्ति अंधता के अभिशाप से ग्रसित है। देश में अंधता/दृष्टिबाधिता के पांच प्रमुख कारण मोतियाबिंद, कालापानी, दृष्टिदोष, रेटिना (पर्दे) की बीमारियां एवं आंख की पारदर्शी पुतली (कॉर्निया) में होने वाले रोग हैं। भारत में कुल अंधता का लगभग एक फीसदी कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के कारण है। देश भर में एक लाख बीस हजार लोगों की दोनों आंखों का कॉर्निया अंधता की स्थिति तक खराब है। वहीं लगभग दस लाख लोगों की दोनों आंखों का कॉर्निया प्रभावित होने के कारण उन्हें कम दिखता है। लगभग 68 लाख लोगों का एक कॉर्निया प्रभावित है। चिंता की बात यह है कि हर साल 25-30 हजार लोग कॉर्निया खराब होने के कारण अंधता से ग्रसित हो रहे है। हर वर्ष कम से कम एक लाख पचास हजार कॉर्निया की जरूरत रहती है पर नेत्रदान इसके मुकाबले एक तिहाई भी नहीं है। इसलिये नेत्रदान के लिये एक जन-क्रांति एवं जागृति अभियान की जरूरत है। हम लोग लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनन्दा के माध्यम से विगत 30 वर्षों से लगातार नेत्रदान को प्रोत्साहन देने के लिये अभियान चला रहे हैं, ऐसी अनेक संस्थाएं हैं, जो इस कार्य में लगी है। दुनियाभर में नेत्रदान एवं रक्तदान के प्रति जागरूकता की वजह से बड़े पैमाने पर लोगों ने इसका महत्व समझा और आगे आकर स्वेच्छा से नेत्रदान एवं रक्तदान करने लगे हैं, उसी प्रकार अंगदान के प्रति वैश्विक जागरूकता की महत्ती आवश्यकता है। लोग अब नेत्रदान के लिए भी आगे आने लगे हैं। तथ्य बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर अंगदान में भारत की हिस्सेदारी बहुत ही कम है। यहाँ प्रति 10 लाख पर मात्र 0.15 लोगों द्वारा ही अंगदान किया जाता है।

स्वतंत्रता के सहिष्णुता वातावरण में अभिव्यक्ति के आजादी के मायने?

आंग्लभाषायी शब्द लिबर्टी का अर्थ स्वाधीनता को परिभाषित करता है जो हिन्दी रूपांतरण या अर्थ में बंधनों का अभाव या मुक्ति या अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करने के भाव को प्रदर्शित करता है, निर्बाधता की इसी परिधि को स्वतंत्रता की संज्ञा दी जा सकती है। हमारे संसद का इतिहास स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का इतिहास के रूप में स्मृति पर है। सरलार्थ में स्वतंत्रता की परिभाषा, %व्यक्ति की अपनी इच्छा अनुसार कार्य करने की शक्ति का न्याय है।% यानी किसी क्षेत्र विशेष में यदि किसी समूह को स्वतंत्रता प्रदान की गई है तो तात्पर्य यह है की स्वच्छंद होकर वे अपने इच्छानुरूप कार्य करने के लिए मुक्त हैं। स्वतंत्रता, स्वतंत्रता की स्थिति, विशेष रूप से राजनीतिक अधीनता, कारावास, या दासता के विरोध में निर्बंध होने का भाव है। वहीं इसके दो सबसे आमतौर पर मान्यता प्राप्त विभाजन राजनीतिक और नागरिक स्वतंत्रता हैं। स्वतंत्रता किसी भी राष्ट्र के नागरिक के लिए सर्वोपरि है। स्वतंत्र नागरिक अपनी इच्छा से अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकता है। अपना भरण-पोषण कर सकता है। कहीं घूम-फिर सकता है। अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सकता है। पराधीनता के बेड़ियों से मुक्त व्यक्ति अपने मनपसंद सेवा क्षेत्र का चयन कर सकता है। किसी भी स्वतंत्र क्षेत्र या राष्ट्र में स्वतंत्र का पर्याय है पूर्ण स्वतंत्रता, लेकिन इस अवस्था में भी एक गंभीर विषय जन्म लेती है। जैसे कुछ भी करने की आजादी, लेकिन क्या उस स्वतंत्रता पर नियंत्रण रखना आवश्यक नहीं है। जिस प्रकार एक परिवार का सामान्य नियम होता है। ठीक वैसे ही स्वतंत्र क्षेत्र में नीति, नियम और विधान निर्मित होते हैं। स्वतंत्रता अपने जीवन को अपनी इच्छा अनुसार जीने का विकल्प है। जहाँ आप चाहते हैं, वहाँ रहने के लिए। जो पसंद हो वो खाने के लिए और यह जानने के लिए कि आपका दिल क्या चाहता है? इसका मतलब यह है कि स्वतंत्रता जीवन के विभिन्न पहलुओं पर लागू हो सकती है और स्वतंत्रता एक पूर्ण शब्द नहीं है। स्वतंत्रता सम्मान सुनिश्चित करने के बारे में है न कि स्वतंत्र रहने के लिए, ना कि प्रतिरोधात्मक विरोध में कुछ भी अनिष्ट करके स्वतंत्रता के बोध का पर्याय बनाने का प्रयास करना है। बहरहाल, हमारे भारतीय संविधान में स्वतंत्रता का अधिकार मूल अधिकारों में सम्मिलित है। इसकी 19, 20, 21 तथा 22 क्रमांक की धाराएं नागरिकों को बोलने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित छः प्रकार की स्वतंत्रता प्रदान करतीं हैं। भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भारतीय संविधान में धारा 19 द्वारा सम्मिलित छह स्वतंत्रता के अधिकारों में से एक है। हालिया परिदृश्य में सशक्त लोकतंत्र की व्यवस्था में आलोचना और अभिव्यक्ति की आजादी महत्वपूर्ण और आवश्यक है। लेकिन राष्ट्रहित की प्रासंगिकता और राष्ट्र की सार्वजनिक और निजी तौर पर संरक्षण का दायित्व प्रत्येक नागरिक का होना अनिवार्य शर्त है। वर्तमान दौर में अभिव्यक्ति की आजादी के आड़ में कभी अवक्षेपण तो, कभी जातिवाद के मुद्दों में वर्णों का घर्षण या राजनीतिक दल-दल की राजनीति में देशहित के जगह स्वहित के संकरित विचारों से कहीं ना कहीं सुरक्षात्मक परिवेश का हनन किया जाता है। जो अभिव्यक्ति के आजादी के दायरे में नहीं है। अभिव्यक्ति की आजादी मिलना जरूरी है परंतु झूठे, कुतर्की और चालाक लोग इसी आजादी का जब विभिन्न माध्यमों से दुरुपयोग करते हैं। निश्चित ही समाज में असंतोष, तनाव और हिंसा का माहौल निर्मित होने लगता है। जो लोग ऐसा कर रहे हैं वे आने वाले समय में हमें उस ओर धकेल देंगे जहां किसी को कुछ भी बोलने की आजादी नहीं होगी। जबकि प्रयास यह होना चाहिए की अभिव्यक्ति के आजादी से नकारात्मक स्वरों को आग देने के बजाए सकारात्मक विचारों, बौद्धिक विचारधाराओं का संचार हो। लेकिन वर्तमान दौरान में किसे वक्त इन सब के विषय में चिंतन करने का, सभी अपनी डफली-अपना राग रोते जा रहे हैं। नैतिकता के गौरवशाली भवन अब ऐतिहासिक खंडहरों की भांति हो गई जहाँ लोग कुछ विशेष दिनों में पर्यटकों की तरह जाते हैं।

पुखराज प्राज

भारत में बढ़ते साइबर अपराध और बुनियादी ढांचे में कमियां

प्रियंका 'सौरभ'

'पुलिस' और सार्वजनिक व्यवस्था राज्य सूची में होने के कारण, अपराध की जांच करने और आवश्यक साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का प्राथमिक दायित्व राज्यों का है। हालांकि भारत सरकार ने सभी प्रकार के साइबर अपराध से निपटने के लिए गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की स्थापना सहित कई कदम उठाए हैं, लेकिन बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। चूंकि पारंपरिक अपराध के साक्ष्य की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य प्रकृति में पूरी तरह से भिन्न होते हैं, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य से निपटने के लिए मानक और समान प्रक्रियाएं निर्धारित करना आवश्यक है। प्रत्येक जिले या रेंज में एक अलग साइबर-पुलिस स्टेशन स्थापित करना, या प्रत्येक पुलिस स्टेशन में तकनीकी रूप से योग्य कर्मचारी, आवेदन, उपकरण और बुनियादी ढांचे के परीक्षण के लिए क्षमताओं और क्षमता का निर्माण करने की तत्काल आवश्यकता है।

भारत दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा ऑनलाइन बाजार है। यद्यपि प्रौद्योगिकी और इंटरनेट की प्रगति ने अपने साथ सभी संबंधित लाभ लाए हैं, लेकिन वैश्विक स्तर पर लोगों को प्रभावित करने वाले साइबर अपराध में भी वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार साइबर अपराध के 2020 में 50,035 मामले दर्ज किए गए थे। भारत में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराध बढ़ रहा है। इसे एक अपराध के रूप में परिभाषित किया जाता है जहां एक कंप्यूटर अपराध की वस्तु है या अपराध करने के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोग किया जाता है। साइबर अपराध सर्वकालिक उच्च स्तर पर हैं, जो व्यक्तियों, व्यवसायों और देशों को प्रभावित कर रहे हैं।

साइबर अपराधों से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे में कमियां देखे तो इसके पीछे बहुत से कारक है, साइबर या कंप्यूटर से संबंधित अपराधों की जांच के लिए कोई प्रक्रियात्मक कोड नहीं है। साइबर अपराधों से निपटने के लिए तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती के लिए राज्यों द्वारा आधे-अधूरे प्रयास किए गए हैं। केवल तकनीकी रूप से योग्य कर्मचारी है जो डिजिटल साक्ष्य प्राप्त कर सकता है और उसका विश्लेषण कर सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000 इस बात पर जोर देता है कि अधिनियम के तहत दर्ज अपराधों की जांच एक पुलिस अधिकारी द्वारा की जानी चाहिए जो एक निरीक्षक के पद से नीचे का न हो। जिलों में पुलिस निरीक्षकों की संख्या सीमित है, और अधिकांश क्षेत्र की जांच उप-निरीक्षकों द्वारा की जाती है।

क्रिप्टोकुरेंसी से संबंधित अपराध कम रिपोर्ट किए जाते हैं क्योंकि प्रयोगशालाओं के खराब स्तर के कारण ऐसे अपराधों को हल करने की क्षमता सीमित रहती है। अधिकांश साइबर अपराध प्रकृति में अंतर-क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार के साथ राष्ट्रीय हैं। पुलिस को अभी भी यू.एस. की गैर-लाभकारी एजेंसी, नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रेन (एनसीएमईसी) से ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) पर साइबर टिपलाइन रिपोर्ट मिलती है। अधिकांश उपकरण और प्रौद्योगिकी प्रणालियां किसी भी अन्य कनेक्टेड सिस्टम की तरह ही साइबर खतरों के प्रति संवेदनशील हैं। हालांकि सरकार ने नेशनल क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर की स्थापना की है, फिर भी इसे महत्वपूर्ण सूचना बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के उपायों की पहचान करना और उन्हें लागू करना बाकी है।

राज्यों की साइबर फोरेंसिक प्रयोगशालाओं को नई प्रौद्योगिकियों के आगमन के साथ उन्नत नहीं है। क्रिप्टो-मुद्रा से संबंधित अपराध कम रिपोर्ट किए जाते हैं क्योंकि ऐसे अपराधों को हल करने की क्षमता सीमित रहती है। अधिकांश साइबर अपराध प्रकृति में ट्रांस-नेशनल हैं और अतिरिक्त-क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार के साथ हैं। भारत की क्रमशः 48 और 12 देशों के साथ प्रत्यर्पण संधियाँ और प्रत्यर्पण व्यवस्थाएँ हैं। साइबर कमियों से संबंधित समस्याओं की देखते हुए भारत के न्यायालयों ने संज्ञान भी लिए है जैसे- अर्जुन पंडित राव खोतकर बनाम कैलाश कुषाणराव गोरंट्याल और अन्य मांमले में कोर्ट ने माना कि भारतीय साक्ष्य (आईई) अधिनियम की धारा 65 बी (4) के तहत एक प्रमाण पत्र (द्वितीयक) इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की स्वीकार्यता के लिए एक अनिवार्य शर्त है यदि मूल रिकॉर्ड उत्पादित नहीं हो सका। नूपुर तलवार बनाम स्टेट ऑफ यू.पी. में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने देखा कि भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी-आईएन) विशेषज्ञ को यह साबित करने के लिए इंटरनेट लॉग, राउटर लॉग और लैपटॉप लॉग का विवरण प्रदान नहीं किया गया था कि क्या उस घातक रात में इंटरनेट भौतिक रूप से संचालित था। पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था राज्य सूची में होने के कारण, अपराध की जांच करने और आवश्यक साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का प्राथमिक दायित्व राज्यों का है। जैसा कि अप्रैल 2016 में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों के सम्मेलन में हल किया गया था, जुलाई 2018 में मसौदा नियमों को तैयार करने के लिए एक पांच-न्यायाधीशों की समिति का गठन किया गया था जो डिजिटल साक्ष्य के स्वागत के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकता था। चूंकि अब एक अत्याधुनिक नेशनल साइबर फोरेंसिक लैब और दिल्ली पुलिस का साइबर प्रिवेंशन, अवेयरनेस एंड डिटेक्शन सेंटर है, इसलिए राज्यों को उनकी प्रयोगशालाओं को अधिसूचित करने में पेशेवर मदद का विस्तार हो सकता है। अधिकांश सोशल मीडिया अपराधों में, आपत्तिजनक वेबसाइट या संदिग्ध के खाते को तुरंत ब्लॉक करने के अलावा, अन्य विवरण विदेशों में बड़ी आईटी फर्मों से जल्दी सामने नहीं आते हैं। इसलिए, %डेटा स्थानीयकरण% को प्रस्तावित व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून में शामिल किया जाना चाहिए। केंद्र और राज्यों को साइबर अपराध की जांच की सुविधा के लिए न केवल मिलकर काम करना चाहिए और वैधानिक दिशानिर्देश तैयार करना चाहिए, बल्कि बहुप्रतीक्षित और आवश्यक साइबर बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए पर्याप्त धन की आवश्यकता है।

राज्य सरकारों को साइबर अपराध से निपटने के लिए पर्याप्त क्षमता का निर्माण करना चाहिए, प्रत्येक जिले या रेंज में एक अलग साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित करके या प्रत्येक पुलिस स्टेशन में तकनीकी रूप से योग्य कर्मचारी होने के द्वारा किया जा सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000 यह जोर देता है कि अधिनियम के तहत दर्ज अपराधों की जांच एक पुलिस अधिकारी द्वारा की जानी चाहिए जो एक निरीक्षक के पद से नीचे का न हो। चूंकि जिलों में पुलिस निरीक्षकों की संख्या सीमित है, और अधिकांश क्षेत्र की जांच उप-निरीक्षकों द्वारा की जाती है। इसलिए, अधिनियम की धारा 80 में एक उपयुक्त संशोधन पर विचार करना और उप-निरीक्षकों को साइबर अपराधों की जांच करने के लिए योग्य बनाना व्यावहारिक होगा।

प्रत्येक जिले या रेंज में एक अलग साइबर-पुलिस स्टेशन स्थापित करना, या प्रत्येक पुलिस स्टेशन में तकनीकी रूप से योग्य कर्मचारी,

आवेदन, उपकरण और बुनियादी ढांचे के परीक्षण के लिए क्षमताओं और क्षमता का निर्माण करने की तत्काल आवश्यकता है। डेटा स्थानीयकरण को प्रस्तावित व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून में शामिल किया जाना चाहिए ताकि प्रवर्तन एजेंसियों को संदिग्ध भारतीय नागरिकों के डेटा तक समय पर पहुंच प्राप्त हो सके।

हिंदी को राष्ट्रभाषा होने का स्वतः गौरव प्राप्त है , वैश्विक स्तर पर आच्छादित हिंदी

देश की स्वतंत्रता के 75 साल गुजर जाने के बाद भी हिंदी भाषा को अभी तक राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिया गया है। पर यह सत्य है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा होने का स्वमेव गौरव प्राप्त है वैश्विक स्तर पर हिंदी का परिचय लहरा रहा है और हिंदी को किसी मान्यता प्राप्त होने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है

किंतु औपचारिक रूप से सरकार को चाहिए हिंदी को राष्ट्रभाषा का उसका अपना गौरव प्रदान करें। राष्ट्रभाषा बनने के साथ-साथ इतनी समृद्ध शाली, ऐतिहासिक हिंदी भाषा को कम से कम देश के हर प्रांत को एकता के सूत्र में बांधने वाली जन भाषा होनी ही चाहिए। अलग-अलग प्रदेशों कि स्थानीय मूल बोलियों, भाषाओं का हम कतई विरोध नहीं करते पर हिंदी को भारत में कम से कम सर्वोच्च सम्मान देकर राष्ट्रभाषा होने का गौरव हासिल होना ही चाहिए साथ ही स्थानीय भाषाओं से ऊपर हिंदी को जन भाषा का यथोचित सम्मान प्राप्त होना हो। यह अलग बात है कि भारत देश में अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती है और स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने 22 भाषाओं को संवैधानिक रूप से मान्यता प्रदान की है, पर हमारी हिंदी सर्वाधिक बोली जाने वाली तथा लिखी जाने वाली भाषा है। देश में हिंदी बोलने तथा पढ़ने वालों की संख्या लगभग 65 से 70 करोड़ है, यह भाषा की बहुलता, विविधता ही है जिसके कारण भाषाई विवाद की स्थिति उभरी है, और सर्वाधिक नुकसान हिंदी को उठाना पड़ा है। वर्ष 2008 में विश्व हिंदी सम्मेलन न्यूयॉर्क (अमेरिका) में भारतीय साहित्यकारों, कवियों को चिंतकों, प्रोफ़ेसर, चिंतकों, पत्रकारों ने बड़े जोर शोर से संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा बनाने हेतु मान्यता देने के लिए पुरजोर कोशिश की थी। कोशिश तो हमेशा ही की जानी चाहिए और यह बड़ी ही सार्थक पहल भी थी, पर इसके पूर्व भारत के हिंदी साहित्य के विद्वानों को हिंदी को पहले अपने देश में राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलवाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने भी कहा है,

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति के मूल।

बिनु निज भाषा ज्ञान के मिटत ना हिय को शूल।

देश में भाषाई विविधता के कारण हिंदी को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है इसके अलावा कुछ स्वार्थी राजनीतिक के लोग नहीं चाहते कि हिंदी को सर्वोच्च सम्मान मिले और इसके लिए विभिन्न प्रकार के विरोध एवं आंदोलन भी करते रहे हैं, इसके अलावा लोगों को उकसा कर जन आंदोलन का रूप भी देने का प्रयास करते रहे हैं जो अत्यंत निंदनीय है।

देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में यह महसूस किया था कि हिंदी दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर सबसे ज्यादा लोगों की संपर्क भाषा थी। देश के विभिन्न भाषा भाषी लोग हिंदी भाषा में ही संपर्क कर के अपने संदेश तथा सूचना एक दूसरों को प्रदान किया करते थे, और हिंदी भाषा के संपर्क सूत्रों के चलते ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अथक मेहनत कर हिंदी की सहायता से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। हिंदी की सार्वभौमिक स्थिति एवं बड़े समुदाय द्वारा बोले जाने वाली भाषा के रूप में स्थापित होने के बाद इसे राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया गया था। हिंदी एक व्यापक भाषा है जिस की लिपि देवनागरी होने के कारण अत्यंत सरल एवं आवश्यकता अनुसार दूसरी भाषाओं को और उनके शब्दों को बड़ी सुगमता से आत्मसात करने की क्षमता तथा विशालता है। हिंदी देशवासियों की भावनात्मक भाषा भी है इसका देश की एकता तथा अखंडता में एक का बड़ा योगदान रहा है। हिंदी एक बड़ी सक्षम तथा विशाल भाषा का दर्जा भी रखती है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा कि हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिस जिस ने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।

14 सितंबर 1949 को संविधान की सभा ने एकमत से हिंदी को भारत की राजभाषा बनाए जाने का निर्णय भी लिया इसीलिए भारत में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का संकल्प लिया गया।

उद्धव ठाकरे को मुंबई की राजनीतिक पिच पर गहरा घाव देना चाहते हैं अमित शाह

मुंबई में नगर निकाय के चुनाव होने हैं। वर्तमान में शिवसेना लगभग 30 वर्षों से बृहन्मुंबई महानगरपालिका पर शासन कर रही है। फिलहाल नगर निकाय का पांच साल का कार्यकाल समाप्त हो गया है और चुनाव की प्रतीक्षा है। मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय मुंबई दौरे पर आये तो गणपति पंडालों में भगवान श्रीगणेश के दर्शन के लिए थे लेकिन साथ ही वह अपनी पार्टी के चुनावी अभियान का भी श्रीगणेश कर गये हैं। अमित शाह मुंबई दौरे के दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के घर भी गये। लालबागचा राजा सहित कई गणेश पंडालों में भगवान के दर्शन और पूजन किया। फिल्मी हस्तियों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से मिले और सबसे खास बात...वह अपनी पार्टी भाजपा को एक लक्ष्य देकर गये हैं। अमित शाह नहीं भूले हैं कि उद्धव ठाकरे ने कैसे भाजपा को धोखा दिया। खास बात यह है कि सीटों के समझौते का ऐलान अमित शाह और उद्धव ठाकरे ने संयुक्त रूप से किया था इसलिए अमित शाह को ठाकरे द्वारा दिया गया धोखा काफी सालता है। मुंबई में नगर निकाय के चुनाव होने हैं। वर्तमान में शिवसेना लगभग 30 वर्षों से बृहन्मुंबई महानगरपालिका पर शासन कर रही है। फिलहाल नगर निकाय का पांच साल का कार्यकाल समाप्त हो गया है और चुनाव की प्रतीक्षा है। भाजपा बीएमसी के पिछली बार के चुनाव में भी अकेले लड़कर सबसे बड़ा दल बनकर उभरी थी लेकिन बाद में उसका शिवसेना के साथ समझौता हो गया था। लेकिन इस बार हालात अलग हैं। शिवसेना दो खेमों में बंट चुकी है। भाजपा का प्रयास है कि एकनाथ शिंदे के खेमे के साथ मिलकर बीएमसी चुनाव लड़ा जाये और ठाकरे को मुंबई की राजनीति से बाहर कर दिया जाये। यदि शिवसेना के हाथ से बीएमसी निकल जाता है तो उसकी राजनीतिक शक्ति शून्य हो जायेगी क्योंकि उद्धव के हाथ से पार्टी के ज्यादातर विधायक, सांसद विभिन्न निगमों के पार्षद पहले ही खिसक कर एकनाथ शिंदे के पास जा चुके हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुकूल स्कूलों को विकसित और उन्नत कर शिक्षा नीति की पूरी भावना समाहित करना समय की मांग

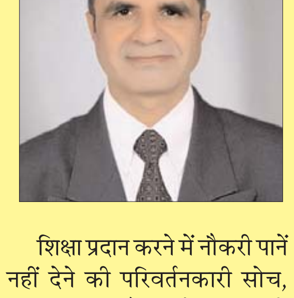

शिक्षा प्रदान करने में नौकरी पानें नहीं देने की परिवर्तनकारी सोच, समग्र तरीका और एनईपी 2020 को तेजी से क्रियान्वयन करना ज़रूरी - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - दुनिया का हर देश विज्ञान स्वास्थ्य शिक्षा प्रौद्योगिकी, यातायत इत्यादि हर क्षेत्र में नीतियां रणनीतियां बनाकर अपने देश को मजबूत, समृद्ध व विकसित करना चाहता है, जो आज के प्रौद्योगिकी युग में सफलता की कुंजी है। परंतु मेरा मानना है कि नीतियों रणनीतियों को बनाने से अधिक महत्वपूर्ण उनका क्रियान्वयन करना होता है ताकि धरातल पर उसके लाभों को रेखांकित किया जा सके, जिसपर हमें चिंतन करना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो पिछले कुछ वर्षों से हम मीडिया के माध्यम से देख व सुन रहे हैं कि न केवल अनेक नीतियां रणनीतियां हर क्षेत्र में बनाई जा रही है बल्कि स्वतंत्रता के 75 वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष में करीब-करीब हर केंद्रीय मंत्रालय के स्तरपर उनका क्रियान्वयन करना, जन जागरणअभियान, डिबेट चलाकर आगे बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है जो काबिले तारीफ है जिसको विजन 2047 और 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के आयामों से जोड़कर सोने पे सुहागा बनाया जा रहा है ताकि हर नागरिक को अपनां भविष्य सुरक्षित नजर आ सके और देश की उन्नति पर गर्व हो सके।

साथियों बात अगर हम शिक्षा क्षेत्र की करें तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बनाकर लागू की गई जिसकी शुरूआत एक बहु विषयक दृष्टिकोण आपनाकर भारत की शिक्षा प्रणाली का रूपांतरण करने के लिए की गई थी। शिक्षा मंत्रालय की एक आंतरिक प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, 29 जुलाई, 2022 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने के दो वर्ष पूरे होने के साथ, अबतक 28 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में 2,774 अभिनव परिषदों की स्थापना की जा चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, उच्च शिक्षा में 2,000 संस्थानों को कौशल हब के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है और इनमें से 700 संस्थान कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सामान्य पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा चुके हैं।

साथियों परंतु हमें इसे तेजी से क्रियान्वयन करने के लिए समग्र कदम उठाने की खास जरूरत है ताकि आयामों को शीघ्रता से प्राप्त किया जा सके मेरा मानना है कि शिक्षा क्षेत्र से जुड़े बुद्धिजीवियों, शिक्षकों, अध्यापकों, प्राध्यापकों की ऐसी सोच होगी जो अब पूरी होने जा रही है क्योंकि 5 सितंबर 2022 को माननीय पीएम ने पीएम - श्री योजना की घोषणा कर दी है

साथियों बात अगर हम पीएम - श्री योजना की करें तो, पीआईबी के अनुसार शिक्षक दिवस के मौके पर पीएम ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने ट्वीट कर जानकारी दी कि प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-एसएचआरआई) योजना के तहत देशभर के 14,500 स्कूलों का कायाकल्प किया जाएगा। इन स्कूलों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। पीएम ने लिखा, पीएम- श्री स्कूलों में शिक्षा प्रदान करने का एक आधुनिक, परिवर्तनकारी और समग्र तरीका होगा। नवीनतम तकनीक, स्मार्ट क्लासरूम, खेल और अन्य सहित आधुनिक इंफ्रा पर ध्यान दिया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने हाल के वर्षों में शिक्षा क्षेत्र को बदल दिया है। मुझे यकीन है कि पीएम-श्री स्कूल एनईपी की भावना से पूरे भारत में लाखों छात्रों को लाभान्वित करेंगे। ये मॉडल स्कूल बनेंगे जो एनईपी की पूरी भावना को समाहित करेंगे।

साथियों बात अगर हम पीएम श्री योजना को जानने की करें तो, केंद्र सरकार की इस योजना के तहत पूरे भारत में प्राइवेट स्कूल से अच्छे सरकारी स्कूल खोले जाएंगे। इन स्कूलों का नाम पीएम श्री स्कूल होगा। वर्तमान में केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा पूरे भारत में स्कूलों का संचालन किया जा रहा है, जबकि पीएम श्री स्कूल, भारत में संचालित केंद्रीय विद्यालयों से अलग होंगे। एक तरह से पीएम श्री स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की प्रयोगशाला होंगे। इन स्कूलों को भविष्य के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित किया जाएगा। साथियों राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार, आधारभूत चरण में 3 साल या प्रीस्कूल या आंगनवाड़ी शिक्षा शामिल होगी और उसके बाद दो साल की प्राथमिक कक्षाएं (कक्षा 1 और 2) शामिल होंगी। यह चरण खेल-आधारित या गतिविधि आधारित विधियों में शिक्षण और भाषा कौशल के विकास पर केंद्रित होगा। साथियों बात अगर हम केंद्रीय प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा शिक्षा शिखर सम्मेलन 2022 को संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार, उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से लेकर अब तक एनईपी भारत का सबसे बड़ा पथ-प्रदर्शक सुधार है क्योंकि नई शिक्षा नीति न केवल प्रगतिशील और दूरदर्शी है, बल्कि 21वीं सदी के भारत की उभरती जरूरतों और आवश्यकताओं के अनुरूप भी है। उन्‍होंने कहा कि इसमें केवल डिग्री पर ध्यान केंद्रित नहीं किया गया है बल्कि छात्रों की आंतरिक प्रतिभा, ज्ञान, कौशल और योग्यता को भी उचित प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि यह समय समय पर युवा विद्वानों और छात्रों को उनकी व्यक्तिगत योग्यता तथा परिस्थितियों के अनुसार अपने विकल्पों का निर्धारण करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है।

ज़िंदगी कोई किताब होती

काश जिंदगी मेरी कोई किताब होती,
जिक्र तुम्हारे पन्नो को में फाड़ देती ।

स्याही जिस कलम की ईसतमाल होती,
उस काँच की शीशी को में उजाड़ देती ।

सहारा क्यो दिया तुमने,
जबकि खुद को में संभाल लेती ।

हाँ गिरती कही बार,
चूने मेरे रास्तो पर,

लेकिन विश्वास है मुझे,
खुद को में संभाल जाती ।

दिखावे कि तुम्हारे उन बातो को,
काश, पहले ही में पहचान पाती ।

जाहिर कर देते वो राज़,
जो दिल मे थे तुम्हारे ।

सच कहती हूँ,
अपने जिक्र को भी

तुम्हारे (जिन्दगी की) किताब में
टाल देती ।

शार्ट न्यूज

लखनऊ पहुंची आबकारी नीति की जांच, शराब कंपनी के पूर्व अधिकारी के घर ईडी की रेड

लखनऊ। दिल्ली की आबकारी नीति पर जांच की आंच लखनऊ तक पहुंच चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को शराब कंपनी के पूर्व अधिकारी मनोज राय के विभूतिखंड स्थित आवास पर छापा मारा। यही नहीं, इस मामले में ईडी ने देश भर में 30 जगहों पर रेड डाली है। इस मामले में दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी आरोपों के घेरे में हैं। जानकारी के मुताबिक ईडी ने मंगलवार को विभूतिखंड स्थित ओमेक्स हाइट सोसाइटी में मौजूद शराब कंपनी के पूर्व अधिकारी मनोज राय के घर पर रेड डाली। दरअसल इस मामले में सीबीआई के अलावा ईडी ने भी एफआईआर दर्ज की है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की धाराओं में मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक ईडी ने ओमेक्स हाइट सोसाइटी के फ्लैट नंबर 1003 में रेड डाली जहां शराब कंपनी बर्नाड रिचर्ड कंपनी के पूर्व अधिकारी मनोज राय रहते हैं। सीबीआई और ईडी दोनों ने मनोज राय को आरोपी बनाया है। यही नहीं, इस मामले में ईडी ने देशभर के 30 जगहों पर छापेमारी की है। राजधानी दिल्ली के अलावा देश के कई राज्यों में ईडी की छापेमारी हो रही है। ईडी दिल्ली के अलावा हरियाणा, चंडीगढ़, हैदराबाद, बेंगलुरु और लखनऊ में छापेमारी कर रही है। ईडी की छापेमारी में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया का घर शामिल नहीं है। आबकारी नीति मामले में अपनी एफआईआर में सीबीआई ने मनीष सिसोदिया का नाम आरोपियों में शामिल किया है।

मुख्तार के करीबी की 43 करोड़ की संपत्ति सीज

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के ओबरा क्षेत्र में पुलिस ने एबुंलेंस प्रकरण में पूर्व विधायक और माफिया डान मुख्तार अंसारी के करीबी अफरोज खान और उसके दो रिश्तेदारों की अवैध रूप से अर्जित करीब 43 करोड़ रूपये की संपत्ति को कुर्क कर दिया है। बाराबंकी जिले से आयी पुलिस टीम ने अफरोज खान, उसके बड़े भाई उमेर खान और भाभी यास्मीन की अवैध रूप से अर्जित 43 करोड़ की सम्पत्ति को कुर्क कर दिया है। सुमन नगर स्थित यास्मीन बानो के मकान को मंगलवार दोपहर एसडीएम ओबरा राजेश कुमार सिंह के आदेश पर कुर्क किया। इस मकान की कीमत दो करोड़ 10 लाख तथा जमीन की कीमत 23 लाख 77 हजार 960 रुपए तय किया गया है। टीम का नेतृत्व कर रहे इंस्पेक्टर राम कृपाल सिंह ने बताया कि इसके अलावा जिले के पटवध में 31 बीघा जमीन के साथ निर्माणाधीन पीक्यूटी कटरा सहित 43 करोड़ 93 लाख 97 हजार 800 रुपए की संपत्ति कुर्क की जा रही हैं। उन्होने बताया कि मुख्तार अंसारी के करीबी अफरोज की सगी भाभी यास्मीन है। यास्मीन का पति उमेर खान अफरोज का सगा भाई है। पुलिस ने बताया कि गाजीपुर के अफरोज खां द्वारा श्याम संजीवनी हास्पिटल के नाम से आपराधिक षड्यन्त्र कर कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर एम्बुलेंस नम्बर खरीदने और संगठित गिरोह बनाने पर यह कार्यवाही की जा रही हैं। अफरोज खान पर गाजीपुर जिले में थाना मुहम्मदाबाद में कुल 16मुकदमे दर्ज है जबकि बाराबंकी जिले के थाना कोतवाली नगर में एक अपराधिक मुकदमा दर्ज है।

क्रिकेट से सन्यास लेने वाले सुरेश रैना को योगी ने दी शुभकामनायें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने क्रिकेट से सन्यास लेने वाले खिलाड़ी सुरेश रैना की खेल प्रतिभा से भारतीय क्रिकेट को नयी ऊंचाई तक ले जाने में हुए योगदान का जिक्र करते हुए कहा है कि देश और प्रदेश को रैना पर नाज है। उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले रैना ने मंगलवार को क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा कर दी। योगी ने भारतीय क्रिकेट के लिये रैना के योगदान का जिक्र करते हुए ट्वीट कर कहा, ''प्रिय सुरेश रैना! भले ही आज आपने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है, लेकिन मुझे लगता है कि अभी भी आप में बहुत 'क्रिकेट' बाकी है। अपने अद्भुत खेल कौशल से आपने भारतीय क्रिकेट को नव क्षितिज पर पहुंचाया है। उत्तर प्रदेश को आप पर गर्व है। एक अन्य ट्वीट में योगी ने रैना को भावी भविष्य की शुभकामनायें देते हुए कहा, विपरीत परिस्थितियों में कई बार आपकी साहसिक पारियों द्वारा सुनिश्चित हुई भारत की विजय सदैव अविस्मरणीय रहेंगी। विलक्षण खेल प्रतिभा और असाधारण टीम भावना से ओतप्रोत आपका प्रदर्शन देश एवं प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणा है। जीवन की नई पारी हेतु मेरी अनंत शुभकामनायें।

प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री डा कृष्णवीर सिंह कौशल का निधन

आगरा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकारों में दो बार मंत्री रहे आगरा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता डा. कृष्णवीर सिंह कौशल का मंगलवार को निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष डा कौशल ने आज शाम एक स्थानीय अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके परिजनों ने बताया कि आगरा स्थित नॉर्थ ईदगाह कालोनी निवासी डा. कौशल पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। यहां स्थित उपाध्याय नर्सिंग होम में उनका इलाज चल रहा था। उन्होंने वर्ष 1957 में एसएन मेडिकल कालेज से उन्होंने चिकित्सा स्नातक (एमबीबीएस) की उपाधि हासिल की थी। वह शहर की छावनी विधानसभा सीट से वर्ष 1974, 1977, 1980 और 1985 में कांग्रेस के विधायक चुने गए थे। वर्ष 1985 में प्रदेश में नारायण दत्त तिवारी के नेतृत्व में बनी कांग्रेस सरकार में उन्हें उपसूचना मंत्री बनाया गया था। इसके बाद उन्हें शिक्षा मंत्री और फिर कृषि मंत्री बनाया गया था। वह कई सरकारी समितियों के सदस्य भी रहे। उनके निधन की सूचना मिलते ही उनके आवास पर कांग्रेस नेताओं का पहुंचना शुरू हो गया। डा कौशल के परिवार में उनके दो बेटे, राजेश कौशल और डा. यज्ञेश कौशल हैं। उनकी तीन बेटियां थीं, जिनमें से एक का निधन पूर्व में हो चुका है।

पूर्व मंत्री सुरेश चंद्र दुबे केंद्रीय लोक शिकायत एवं जांच संस्थान के नेशनल वाइस चेयरमैन मनोनीत किए गए

लखनऊ। मंगलवार केंद्रीय लोक शिकायत एवं जांच संस्थान के चेयरमैन गोपाल राय ने पूर्व मंत्री सुरेश चंद्र दुबे को नेशनल वाइस चेयरमैन पद पर मनोनीत किया। उक्त अवसर पर सुरेश चंद्र दुबे ने कहा कि हमें जो जिम्मेदारी संस्थान द्वारा दी गई है उसमें हम संपूर्ण भारत के लोगों के सुख-दुख और उनकी हर समस्या को लेकर समाधान करने का प्रयास करेंगे तथा संपूर्ण भारत के सभी राज्यों में अपनी समस्याओं को लेकर संबंधित विभागों एवं अदालतों तक जो लोग नहीं पहुंच पाते हैं और अपना हक हासिल कराने और न्याय दिलाने का प्रयास करेंगे। इस संस्थान के माध्यम से निस्वार्थ भाव से लोगो के लिए कार्य करेंगे। न्याय को प्रभावी बनाने के लिए संस्थान उचित लोगों का चयन करेगी जो शिक्षा से समाज में व्यापारियों के हित में आमूलचूल परिवर्तन के प्रणेता के रूप में कार्य करने को तैयार हैं। विधिक कार्यवाही हो या मानवाधिकार मूल्य हो सामाजिक समरसता के लिए संस्थान की तरफ से निशुल्क एडवोकेट चयनित किए जाएंगे जिनका खर्च संस्थान एवं पदाधिकारी उठाएंगे। संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है कि भारत को समृद्ध व मजबूत बनाने की अवधारणा भ्रष्टाचार मुक्त समाज की परिकल्पना समाज में आर्थिक रूप से कमजोर दलित पिछड़े अल्पसंख्यक महिला एवं पुरुष जो भी पीड़ित अधिकारों को दिलाना हेतु हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियां एक भारत श्रेष्ठ भारत सबका साथ सबका विकास के मुद्दे को लेकर भी सरकार को सहयोग करती रहेगी।

किसानों के कई तरह के घाटे की होगी भरपाई

योगी कैबिनेट ने लिया फैसला, पांच साल के लिए धन का आवंटन

लखनऊ। किसानों की बेहतरी और उनकी आय बढ़ाने के लिए प्रयासरत यूपी की योगी सरकार ने इस दिशा में एक और कदम उठाया है। विभिन्न कारणों से होने वाले कई तरह के घाटों की सरकार भरपाई करेगी। इसके लिए धन का आवंटन हो गया है। लोकभवन में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में फैसला किया गया कि खेत में खड़ी फसल, तैयार उपज के सुरक्षित भंडारण के लिए सरकार अगले पांच वर्षों के लिए 192 करोड़, 57 लाख, 75 हजार रुपये की धनराशि खर्च करेगी।

इस बाबत जिन रासायनिक एवं जैविक कीट रसायनों की जरूरत होगी उनको किसानों को कृषि रक्षा इकाई से अनुदान पर दिया जाएगा। फसलों को सुरक्षित रखने के लिए बखारी पर 50 प्रतिशत अनुदान देने का प्रस्ताव पास किया गया।

किसान अब लंबे समय तक अनाज को रख सकेंगे सुरक्षित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में किसानों के हितों में बड़ा फैसला लिया गया। किसानों को फसलों में हर वर्ष लगने वाले खरपतवार, फसली रोग, कीट रोग, क्षति भंडारण, चूहों समेत अन्य वजहों से भारी नुकसान होता है। कैबिनेट में किसानों के इसी नुकसान को कम करने के लिए अगले पांच वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक 192 करोड़, 57 लाख, 75 हजार रुपये योजना के तहत मंजूर किए गए हैं।

किसानों को योजना का लाभ देने के लिए मौजूदा वित्तीय वर्ष में 34 करोड़, 17 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। मालूम हो कि हर वर्ष किसानों को खरपतवार की वजह से 15-20 प्रतिशत, फसली रोगों से 26 प्रतिशत, कीट रोगों से 20 प्रतिशत, भंडारण की उचित व्यवस्था न होने से 7 प्रतिशत, चूहों से 6 प्रतिशत और अन्य कारणों से 8 प्रतिशत फसल खराब हो जाती है।

इसी नुकसान को कम करने के लिए सरकार ने कैबिनेट में यह निर्णय लिया है। इससे जहां किसानों की आय बढ़ेगी वहीं उनका अनाज लंबे समय तक सुरक्षित रह सकेगा। इसके अलावा कैबिनेट में किसानों को अनाज को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उसके भंडारण के लिए 2 क्विंटल से लेकर 5 क्विंटल तक की क्षमता वाले बखारी में 50 प्रतिशत अनुदान देने का फैसला लिया है। इसके लिए योगी सरकार योजना में वर्ष 2022 से 2027 तक 41 लाख 42 हजार खर्च करने का फैसला लिया है।

सीतापुर : सहेलियों के साथ सेल्फी लेने में मस्त थी मां, शारदा नहर में डूबा गया मासूम

सीतापुर। सीतापुर में सहेलियों के साथ सेल्फी लेने में मां इतनी मशगूल हो गई कि उसे पास में खेल रहे मासूम के शारदा सहायक नहर में गिरने का पता ही नहीं चल सका। घटना लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर गांव के पास की है। तालगांव कोतवाली क्षेत्र के ग्राम डेरुवा रूढ़ निवासी सुनील की पत्नी रमिता सहित कुछ नेपाल की महिलाएं सोमवार को लहरपुर इलाके के अकबरपुर स्थित सूरजकुंड कामेश्वर मंदिर दर्शन करने गई थी। दर्शन-पूजन करके दोपहर बाद सभी महिलाएं वापस शारदा सहायक नहर पर आ रही थी। रास्ते में ऊंचे-ऊंचे बालू के ढेर लगे थे। इसे देखकर महिलाएं नहर के किनारे खड़े होकर मोबाइल से सेल्फी लेने लगी। इसी बीच रमिता का दो वर्षीय बेटा खेलने-खेलते शारदा सहायक नहर में फिसलकर गहरे पानी में समा गया। महिलाओं ने चीख-पुकार शुरू कर दी जिससे राहगीर व आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों द्वारा नहर में छलांग लगाकर बच्चे को ढूंढने का प्रयास किया लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। ग्रामीणों ने बताया कि डेरूवा रूढ़ निवासी सुनील पिछले तीन वर्षों से नेपाल में अपनी ससुराल में रहता था। रविवार को ही वह अपने गांव आया था। सोमवार को महिलाएं सूरजकुंड कामेश्वर मंदिर दर्शन पूजन के लिए गई थी। वापस आते समय सेल्फी लेने के चक्कर में बालक नहर के गहरे पानी में चला गया। मां का रो-रो कर बुरा हाल है। लहरपुर कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जानकारी मिली है। गोताखोरों की मदद से बच्चे की तलाश की जा रही है।

देवरिया में 1 घंटे के अंदर बेटे की करंट से तो सड़क हादसे में पिता की मौत

देवरिया। यूपी के देवरिया के तरकुलवा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव में एक परिवार पर सोमवार की रात कहर टूट पड़ा। घंटे भर के अंदर ही बेटे की करंट से तो पिता की सड़क हादसे में मौत हो गई। अलग-अलग घटनाओं में हुई पिता-पुत्र की मौत से घर और गांव में मातम छा गया। लक्ष्मीपुर गांव का रहने वाला नितेश (उम्र 20 वर्ष) कुशीनगर जिले के कसया में किसी दुकान पर काम करता था। सोमवार की शाम करीब 7:30 बजे दुकान का जरनेटर बंद करते समय वह करंट की चपेट में आ गया। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। उधर, रात करीब 8:30 बजे नितेश के पिता सुरेश दुबे (उम्र 70 वर्ष) घर से निकलकर बरठही के पास टहलने के लिए गए थे। वहां उन्हें किसी अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी जिससे उनकी मौत हो गई। रात में परिजनों को सिर्फ नितेश की मौत की जानकारी हुई। मातम में डूबे परिजनों को सुरेश दूबे की मौत की जानकारी मंगलवार की सुबह तब हुई जब लोगों ने सड़क के किनारे उनका शव देखा।

मदरसों के सर्वेक्षण को लेकर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने खोला मोर्चा

कहा- अल्पसंख्यकों को निशाना बना रही सरकार

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सर्वेक्षण कराने के योगी सरकार के फैसले के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मोर्चा खोल दिया है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मदरसों के सर्वेक्षण के फैसले को असंवैधानिक करार देते हुए इसे मुसलमानों के प्रति सरकार का पक्षपातपूर्ण रवैया करार दिया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बयान जारी कर कहा कि आरएसएस की विचारधारी की प्रतिनिधि पार्टी केंद्र और कई राज्यों में है जो खुले तौर पर मुसलमानों के खिलाफ नकारात्मक विचार रखती है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी की तरफ से जारी प्रेस नोट में पीएम मोदी को लेकर कहा कि पीएम संविधान की बात करते हैं लेकिन कई राज्यों में उनकी पार्टी की सरकार बिलकुल विपरीत व्यवहार करती है। दूसरी तरफ जमीयत उलमा-ए-हिन्द ने भी मदरसों के सर्वे के फैसले को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को जमीयत उलमा-ए-हिन्द की दिल्ली में अहम बैठक हुई जिसमें सभी जिलों में मौजूद 150 मदरसों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में तीन बातों पर सहमति बनी। पहली ये कि इस मुद्दे को लेकर योगी सरकार से मिलकर बात की जाएगी।

दूसरी मदरसों से जुड़े सभी मामलों को देखने के लिए एक स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया जाएगा और तीसरी कि मदरसों को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। गौरतलब है कि योगी सरकार ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों से सभी जिलों में संचालित गैर मान्यता प्राप्त मदरसों की रिपोर्ट एक महीने के भीतर देने को कहा है। जमीयत उलमा-ए हिंद योगी सरकार के इस फैसले का विरोध कर रही है।

वन विभाग ने पकड़ा व्हेल की आंत में मिलने वाला कच्चा अंबर, चार तस्करों को किया गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ में वन विभाग की टीम ने जनेश्वर मिश्र पार्क के पास से चार तस्करों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में कच्चा अंबर बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपए है। कच्चा अंबर व्हेल मछली की आंतों में जमा एक प्रकार का अपशिष्ट होता है। इसका उपयोग इत्र बनाने में किया जाता है। यह वन्य जीव संपत्ति संरक्षण अधिनियम की प्रतिबंधित श्रेणी में आता है। गिरफ्तार तस्करों में दो सगे भाई हैं।

वाइल्ड लाइफ कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली से लखनऊ के डीएफओ डॉक्टर रवि कुमार सिंह को तस्करों के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद क्षेत्रीय वन अधिकारी शहरी रेंज अरविंद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में टीम बनाई गई। उनके साथ वन विभाग की एसटीएफ के साथ संयुक्त टीम बनाई गई। दिल्ली से मिली सूचना के आधार पर टीम ने जनेश्वर मिश्र पार्क के गेट नंबर छह पर तीन लोगों को कच्चा अंबर के साथ गिरफ्तार किया।

इनकी पहचान दानिश अख्तर, अविनाश खरवार और अभय खरवार के रूप में हुई। इनसे हुई पूछताछ के बाद हाईकोर्ट के पास से फिरोज नामक तस्कर को भी पकड़ा गया। उसके पास से भी कच्चा अंबर मिला। दानिश अख्तर रांची का रहने वाला है। अविनाश खरवार और अभय खरवार भाई हैं और इंदिरा नगर के रहने वाले हैं। फिरोज फिरोज अहमद किदवई तालकटोरा का रहने वाला है।

देवरिया रेलवे स्टेशन से लावारिस हालत में 520 कछुए बरामद

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया रेलवे स्टेशन के पास से मंगलवार को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने लावारिस हालत में 520 कछुओं को बरामद कर वन विभाग को सौंप दिया है। जीआरपी की ओर से दी गयी जानकारी के मुताबिक रेलवे स्टेशन पर निगरानी के दौरान प्लेटफार्म नम्बर दो और तीन के ओवरब्रिज के नीचे 27 गट्ठरों में 520 कछुओं लावारिश हालत में मिले। जीआरपी ने बरामद कछुओं को वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया है। उन्होंने बताया कि बरामद कछुओं को तस्करों का गिरोह कहीं ट्रेन से ले जाने की फिराक में था। स्टेशन पर जीआरपी की सक्रियता को देखते हुए गिरोह के सदस्य इन कछुओं को ले जाने में सफल नहीं हो सके।

कानपुर में बर्तन चुराने पर दी खौफनाक मौत, दंपती गिरफ्तार, पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद

कानपुर। कानपुर के नजीराबाद क्षेत्र में बर्तन चुराने को लेकर हुए मामूली विवाद के बाद एक दोस्त ने दोस्त को सरेआम पीट-पीट कर खौफनाक मौत दे दी। हत्या का ये खौफनाक वीडियो मंगलवार की सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने पांच घंटे में मामले का खुलासा करते हुए आरोपित दंपती को गिरफ्तार कर लिया। सोमवार की देर रात रेलवे लाइन रामबाग निवासी बलबीर की डंडे से पीट पीट कर हत्या कर दी गई द्य घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसमें एक गाड़ी के पास महिला खड़ी है। बलबीर के आने पर महिला ने इशारा किया तब गली से उसका पति निकला और डंडे से बलबीर पर हमला कर दिया। उसने एक के बाद एक कई वार करके बलबीर को मौत के घाट उतार दिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान अंकुर और उसकी पत्नी शालू के तौर पर हुई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों ने बताया कि बलबीर ने उनके यहां से बर्तन की चोरी की थी। इसके अलावा कई और चीजों की चोरी की थी। इसी को लेकर उसे सबक सिखाना चाहते थे। इसी वजह से उसकी हत्या कर दी।

मौत होने तक बलवीर को डंडे से पीटता रहा अंकुर

अंकुर और बलवीर दोनों फुटपाथ पर ही रहते थे। आरके नगर में कूड़ा बीनकर गुजारा करते थे। सोमवार रात 12 के करीब अंकुर ने जब बलवीर पर हमला किया तो वह इतने गुस्?से में था कि बलबीर को डंडे से तब तक पीटता रहा जब तक उसकी जान नहीं निकल गई।

लखनऊ अग्निकांड : दोनों मालिक और मैनेजर गिफ्तार

14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के लेवाना होटल में हुए अग्निकांड में मालिक राहुल अग्रवाल और रोहित अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। राहुल, रोहित और जनरल मैनेजर सागर श्रीवास्तव को पुलिस ने सीजेएम कोर्ट में पेश किया।

जहां से कोर्ट ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। वहीं, हादसे के दूसरे दिन भारी संख्या में पुलिस बल यहां तैनात कर दिया गया है। वही, सीलिंग के निर्देश के बाद एलडीए की कार्यवाही देखने कमिश्नर और एलडीए अध्यक्ष डॉ. रोशन जैकब खुद मौके पर पहुंची और सभी विधिक कार्यवाही तेजी से करने के निर्देश दिए। होटल परिसर को पुलिस की मौजूदगी में एलडीए इंजीनियरों ने सील कर दिया है।

एक दिन पहले आग लगने के बाद जो लोग अफरा तफरी में होटल छोड़ कर चले गए थे वह अपना सामान लेने मंगलवार को लेवाना पहुंचे। कल हुए हादसे का खौफ और बदहवासी उनके चेहरों पर साफ झलक रही थी। होटल लेवाना सूईट में लगी आग से सबक लेते हुए सरकार ने प्रदेश के सभी जिलों में होटलों, मॉल और स्कूलों की जांच का आदेश दिया है। अगले तीन दिन यूपी के सभी जिलों में अभियान चलाकर अग्निशमन सुरक्षा के मानकों के आधार पर होटल, स्कूल, अस्पताल, मॉल, औद्योगिक संयंत्र, आवासीय मल्टी स्टोरी अपार्टमेंट तथा व्यावसायिक कॉम्पलेक्स की जांच कराई जाएगी।

युवाओं के लिये आदर्श पेश है पीएम मोदी का जीवन : रीता जोशी

कौशांबी। उत्तर प्रदेश की पूर्व मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता रीता बहुगुणा जोशी ने कहा है कि राष्ट्रसेवा के लिये समर्पित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनुशासित जीवन शैली युवाओं के लिये आदर्श प्रस्तुत कर रही है। जोशी ने मंगलवार को कौशांबी स्थित भाजपा के जिला कार्यालय में आयोजित प्रबुद्ध जन सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का मौजूदा शासनकाल देश के लिये सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा, मोदी जी का जीवन आज देश के युवाओं के लिए आदर्श प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने गुजरात से अपना राजनीतिक सफर शुरू किया, जिसमें आमजन के सुखों का ध्यान रखा गया और विकास का एक मॉडल प्रस्तुत किया गया।

गैंगरेप पीड़िता पर एक साल में दूसरी बार जानलेवा हमला, घर में घुसकर चाकू से गोदा

कप्तानगंज (बस्ती)। बस्ती में एक गैंगरेप पीड़िता पर फिर से जानलेवा हमला किया गया है। घर में घुसकर उस पर चाकू से हमला किया गया। गंभीर हालत में उसे पहले सीएचसी फिर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। इससे पहले 9 नवम्बर 2021 को भी उस पर ब्लेड से जानलेवा हमला किया गया था। वह खून से लथपथ हाल में मिली थी। उस दौरान पीड़िता के बयान के बाद गांव के ही तीन लोगों के नाम प्रकाश में आने पर उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया था। तीनों जेल में ही हैं।

मामला जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के माझा गांव का है। परिजनों के अनुसार मुकदमे में सुलह समझौता नहीं करने पर जानलेवा हमला किया गया है। कप्तानगंज क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली गैंगरेप पीड़िता किशोरी घर में सोई हुई थी।

आरोप है कि मुकदमे में दबाव के बावजूद सुलह न करने पर छत के रास्ते घर में घुसे लोगों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। परिजनों ने शोर मचाया और एंबुलेंस की मदद से उसे सीएचसी कप्तानगंज पहुंचाया?। वहां प्रारंभिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसएचओ कप्तानगंज के अलावा एसपी आशीष श्रीवास्तव ने जिला अस्पताल पहुंचकर किशोरी का हाल जाना। हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। एसपी ने कहा कि पांच लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

आर्य समाज का शादी प्रमाण पत्र विवाह की वैधता का आधार नहीं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज स्थित इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सामाजिक संस्था आर्य समाज द्वारा जारी किये जाने वाले शादी के प्रमाण पत्र को विवाह की कानूनी वैधता का पुख्ता आधार नहीं माना जा सकता है। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने एक याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि आर्य समाज की ओर से जारी किये जाने वाले शादी के प्रमाण पत्र के आधार पर किसी शादी को कानून की नजर में वैध नहीं ठहराया जा सकता है। अदालत ने भोला सिंह एवं अन्य द्वारा पेश बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई के दौरान पेश किये गये आर्य समाज के दस्तावेजों को पुख्ता सबूत मानने से इंकार करते हुए याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति शमशेरी ने कहा कि आर्य समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा जारी किये गये शादी के अनगिनत प्रमाण पत्र अदालत में पेश किये जाते हैं, लेकिन इन प्रमाण पत्रों को इस अदालत में और अन्य उच्च न्यायालयों में सुनवाई के दौरान समय समय पर सवालों के घेरे में खड़ा किया जाता रहा है। अदालत ने कहा कि इस तरह की संस्थाओं ने इन दस्तावेजों की विश्वसनीयता का ध्यान रखे बिना, शादियां करवाने में विवाह की संस्था के प्रति लोगों की आस्था का दुरुपयोग किया है। ऐसे में, जबकि शादी का पंजीकरण नहीं हुआ है, महज आर्य समाज के प्रमाण पत्र के आधार पर किसी युगल को विवाहित नहीं माना जा सकता है। इस मामले में याचिकाकर्ता भोला सिंह ने अपने वकील धर्मवीर सिंह के माध्यम से अदालत के समक्ष अपनी शादी को वैध साबित करने के लिये गाजियाबाद के आर्य समाज मंदिर द्वारा जारी शादी का प्रमाण पत्र, विवाह के पंजीकरण का प्रमाण पत्र और कुछ तस्वीरें सबूत के तौर पर पेश कीं। याचिकाकर्ता ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर अदालत से उसकी पत्नी को पेश करने का पुलिस को निर्देश देने की मांग की थी, जिसे पत्नी के पिता ने पुलिस में उसके विरुद्ध मामला दर्ज करा कर मामले की जांच के नाम पर उसकी अभिरक्षा से दूर कर दिया।

अदालत ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को असामान्य परिस्थितियों में किसी बंधक को राहत देने वाली याचिका बताते हुए कहा कि यह याचिका अदालत को विशेषाधिकार प्रदान करती है। इसे बतौर, विधिक अधिकार जारी करने के बजाय तार्किक आधारों पर ही जारी किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि पत्नी को उसके पिता की अभिरक्षा से निकाल कर अपने पास लाने के लिये याचिकाकर्ता के पास अन्य कानूनी उपचार उपलब्ध हैं। ऐसे में इस मामले में यह याचिका स्वीकार किये जाने योग्य नहीं है।

पौराणिक समदा झील को संवारने का जिम्मा लिया सरकार ने

अयोध्या। उत्तर प्रदेश में राम नगरी अयोध्या में स्थित पौराणिक महत्व की समदा झील को संवारने का दायित्व योगी सरकार ने अपने कंधों पर लिया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से मंगलवार को दी गयी आधिकारिक जानकारी के मुताबिक अयोध्या से लगभग 20 किमी दूर सोहावल तहसील की तीन ग्राम पंचायतों में 67 एकड़ क्षेत्रफल में फैली समदा झील, इस इलाके की सबसे झील है। राज्य सरकार द्वारा इसके जीर्णोद्धार का काम तेजी से कराया जाना शुरु कर दिया है। जानकारों के मुताबिक अयोध्या की समदा झील ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व की है। पौराणिक मान्यता है कि यह झील प्रभु श्रीराम के समय से ही अस्तित्व में है। कहा जाता है कि यहां से प्रवाहित होने वाली समदा नदी जब सूख गई तो उस समय अपने अवशेष के रूप में नदी इस झील को छोड़ गयी। जिसे आज समदा झील के रूप में जाना जाता है। पौराणिक मान्यता है कि इस झील के आसपास पक्षियों के झुंड प्रभु श्री राम का गुणगान करते थे। मान्यता है कि उस समय स्थानीय लोग पक्षियों की मधुर आवाज सुनने के लिये झील के किनारे बैठे रहते थे।

सरकार का दावा है कि इस झील के जीर्णोद्धार को लेकर जिला प्रशासन 2017 के पहले भी प्रयास कर चुका है, लेकिन मोटा बजट खर्च करने के बावजूद इसकी दुर्दशा में कोई सुधार नहीं हुआ।

शार्ट न्यूज

सोना-चांदी के भाव गिरे

मुंबई। विदेशी बाजारों के नकारात्मक रुख के प्रभाव से आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 130 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी की कीमत 75 रुपये प्रति किलोग्राम उतर गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.28 प्रतिशत गिरकर 1705.40 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। वहीं, अमेरिका सोना वायदा 0.44 प्रतिशत बढ़कर 1717.40 डॉलर प्रति हो गया। इस दौरान चांदी हाजिर 0.56 प्रतिशत टूटकर 18.06 डॉलर प्रति औंस बोली गई। इस दौरान देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 130 रुपये उतरकर 50303 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 125 रुपये गिरकर 50395 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह चांदी 75 रुपये कमजोर होकर 53315 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 50 रुपये फिसलकर 53964 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गई।

शिल्पकार प्रशिक्षण योजना परीक्षा के नतीजे आज

नयी दिल्ली। प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने मंगलवार को बताया कि अगस्त महीने में आयोजित शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के लिए अखिल भारतीय ट्रेड परीक्षा (एआईटीटी) 2022 के परिणाम बुधवार को घोषित होंगे। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में सरकार के प्रमुख स्किल इंडिया कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) भारतीय युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने वाली प्रमुख एजेंसी है। यह प्रशिक्षुओं के नामांकन और मूल्यांकन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर रहा है जो अब ऑनलाइन है। इसे आईटीआई द्वारा लागू किया जाता है और इन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की अवधि छह महीने से दो वर्ष के बीच होती है। राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप इन पाठ्यक्रमों में इंजीनियरिंग से जुड़े 82 व्यवसायों, गैर-इंजीनियरिंग से जुड़े 63 और दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए पांच पाठ्यक्रमों सहित 150 व्यवसायों से जुड़े पाठ्यक्रम हैं। मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक वर्तमान में सरकारी और निजी दोनों 14,786 आईटीआई में 20 लाख प्रशिक्षु प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में यह योजना सबसे महत्वपूर्ण है और देश में विभिन्न राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में फैले आईटीआई के विशाल नेटवर्क के माध्यम से मौजूदा और साथ ही भविष्य की जनशक्ति जरूरतों को पूरा करने के लिए शिल्पकार तैयार करने के कार्य में लगा हुआ है।

पेटीएम ने कहा, उसका ऋण कारोबार तेजी से बढ़ रहा है

मुंबई। डिजिटल वित्तीय सेवा प्लेटफार्म पेटीएम चलाने वाली कंपनी वन97 ने मंगलवार को कहा कि इस वर्ष जुलाई-अगस्त में उसके मंच से राम वितरण कारोबार में तेजी आई है और इन दो महीनों में उसने कुल 4517 करोड़ रुपए के 60 लाख कर्ज वितरित किए। कंपनी ने बीएसई स्टाक एक्सचेंज को मंगलवार दी गई सूचना में कहा, हमारा ऋण वितरण कारोबार लगातार तेज हो रहा है। अगस्त की रफ्तार से हमारा वार्षिक ऋण वितरण कारोबार वार्षिक 29000 करोड़ रु तक पहुंच जाएगा। बाजार सूचना में कंपनी ने कहा है कि जुलाई और अगस्त 2022 में उसके मंच से वितरित ऋणों की संख्या पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 246 प्रतिशत बढ़कर 60 लाख हो गई। इस दौरान वितरित ऋण की राशि 4517 करोड रुपए रही जो पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 484 प्रतिशत अधिक है। पेटीएम का शेयर बीएसई में मंगलवार को 0.35 प्रतिशत चढ़कर 711 रुपये प्रति शेयर के भाव पर चल रहा था।

मूडीस ने भारत की वित्तीय साख वर्तमान स्तर पर बरकरार रखी

नयी दिल्ली। वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीस ने भारत की वित्तीय साख को बीएए3 (सरकारी प्रतिभूतियों की निवेश की निचली कोटि) के वर्तमान स्तर पर बनाए रखने की मंगलवार को घोषणा की। रेटिंग एजेंसी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के परिदृश्य को स्थायित्वपूर्ण बताया है। मूडीस ने कहा है कि भारत की वित्तीय साख के बारे में उसका ताजा अनुमान भारतीय अर्थव्यवस्था की शक्ति और उसकी चुनौतियों पर आधारित है, एजेंसी के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था बड़ी और विविधतापूर्ण है। इसमें आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं ऊंची हैं। देश बाजारों के साथ संबंधों के मामले में अपेक्षाकृत मजबूत है और सरकार के लिए घरेलू ऋण का आधार मजबूत है। मूडीज इन्वेस्टर सर्विसेज ने कहा है,हमें नहीं लगता की महामारी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था में 2022 और 2023 में सुधार की जो प्रक्रिया शुरू हुई है, वह रूस-उक्रेन की लड़ाई, उच्च मुद्रास्फीति और विश्व के केंद्रीय बैंकों द्वारा कर्ज नीति को कठोर करने के कारण कर्ज की कठिनाई जैसी विश्व की बढ़ती हुई चुनौतियां से डगमगा सकती है। मूडीस रेटिंग यह अनुमान ऐसे समय आया है जब भारत के जीडीपी में चालू वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही अप्रैल-जून 2022 में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है तथा अगस्त में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां 14 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

14 राज्यों के लिए 7183.42 करोड़ जारी

नयी दिल्ली। राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए 14 राज्यों के वास्ते 7183.42 करोड़ रुपये की राशि जारी की गयी है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने यह राशि जारी है जो छठी मासिक किश्त है। 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप यह राशि जारी की जा रही है। चालू वित्त वर्ष में इन राज्यों को कुल मिलाकर 86201 करोड़ रुपये की राशि जारी की जानी है जिसमें से अब तक 43100.50 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। यह राशि हर महीने जारी की जाती है। जिन राज्यों को यह राशि जारी की गयी है उनमें आंध्र प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल शामिल है।

रुपया चार पैसे कमजोर

मुंबई। आयातकों और बैंकरों की लिवाली तथा शेयर बाजार की गिरावट के दबाव में अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया पिछले दिवस की तेजी गंवाते हुए आज चार पैसे फिसलकर 79.82 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले दिवस रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 79.78 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया दो पैसे फिसलकर 79.80 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान लिवाली होने से 79.91 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि बिकवाली से समर्थन पाकर यह 79.77 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले दिवस के 79.78 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में चार पैसे फिसलकर 79.82 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बने रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज भी स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंदन ब्रेंट 2.81 प्रतिशत की गिरावट लेकर 93.05 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.16 प्रतिशत उतरकर 86.73 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन करने वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर यथावत है। पिछले दो महीने से अधिक समय से तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज ने किया 'रिसर्च 360' को लॉन्च

एजेंसी

मुंबई। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल) ने एक नये प्रकार का पहला वित्तीय बाजार शोध और विश्लेषण मंच 'रिसर्च 360' को लॉन्च करने की घोषणा की है।

यह अनूठा मंच निवेशकों और व्यापारियों के लिए विस्तृत मौलिक और तकनीकी अनुसंधान के लिहाज से एक केंद्रीकृत सोर्स के रूप में कार्य करेगा जो इक्विटी, डेरिवेटिव, म्युचुअल फंड, थीम आधारित और मॉडल पोर्टफोलियो आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विवेकपूर्ण निवेश या व्यापारिक निर्णय लेने में मदद करेगा। रिसर्च 360 एप निवेशकों की डीआईवाय श्रेणी के साथ-साथ रेडीमेड शोध समाधानों की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए एक उत्कृष्ट और अनूठा प्रस्ताव है। 'रिसर्च 360' का लॉन्च वित्त वर्ष 23 में डिजिटल प्रॉडक्ट्स पोर्टफोलियो के विस्तार का एक हिस्सा है।

रिसर्च 360 प्लेटफॉर्म में मुख्य निवेशक पोर्टफोलियो जैसी अनूठी विशेषताएं हैं, जिससे नौसिखिए निवेशक स्टॉक पोर्टफोलियो बनाने के शिल्प को समझ सकते हैं। टेक्नो-फंडा स्कैनर्स परिपक्व निवेशकों को एक मेन्यू में कीमत, वॉल्यूम, फंडामेंटल जैसे तकनीकी संकेतकों आदि से संबंधित 200 से अधिक स्कैन का लाभ देता है। यह एप एसडब्ल्यूओटी एनालिसिस, कम्पेयरिंग स्टॉक्स, एफएंडओ एनालिटिक्स, एमओ इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज रिसर्च रिपोर्ट्स और एसे इनवेस्टर्स पोर्टफोलियो जैसी अन्य प्रमुख विशेषताएं भी प्रदान करता है।

इस उत्पाद के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड के ब्रोकिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन के सीईओ अजय मेनन ने कहा, खुदरा निवेशक इक्विटी बाजारों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

गत 31 मार्च 2022 तक भारत में सक्रिय डीमैट खातों की संख्या 8.97 करोड़ थी जो वित्त वर्ष 2022 में 63 फीसदी की वृद्धि दर्शाती है। हमें लगता है कि पूंजी बाजार में निवेश किसी एक द्वारा चुने गए निवेश के बारे में विस्तृत शोध के बाद किया जाना चाहिए। मोतीलाल ओसवाल 35 से अधिक वर्षों से इक्विटी बाजारों में हैं और उन्होंने हमारे शोध क्षेत्र तक सभी निवेशकों को पहुंच प्रदान करने के बारे में सोचा, भले ही वह हमारे ग्राहक हों या नहीं।

हमारी नवीनतम पेशकश, रिसर्च 360 सभी निवेशकों को मोतीलाल ओसवाल के पुरस्कार विजेता शोध तक पहुंच प्रदान करेगी और उन्हें निवेश संबंधी निर्णय लेने में मदद करेगी।''

मेनन ने कहा, साल दर साल 44 प्रतिशत की कुल खुदरा ग्राहक वृद्धि के साथ, बीएंडडी व्यवसाय अपने खुदरा ग्राहक आधार को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। एक ग्राहक केंद्रित संगठन के रूप में, हम अपने फिजिटल (फिजिकल और डिजिटल) वादे को आगे बढ़ाने के लिए अपनी तकनीकों को लगातार बढ़ा रहे हैं। कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के हमारे लक्ष्य के साथ-साथ, हम एमओएफएसएल के साथ हाथ मिलाने के लिए कई व्यक्तिगत ब्रोकरों की भारी दिलचस्पी भी देख रहे हैं।''

रिसर्च 360 प्रत्येक निवेशकों और व्यापारियों के अनुसंधान के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। इस प्लेटफॉर्म को इस तरह से विकसित किया गया है कि यह कई स्रोतों से डेटा सोर्सिंग की कंपनी की सदस्यता लागत को कम करेगा।

रिसर्च 360 एप्लिकेशन एंड्रॉएड उपकरणों के लिए गूगल प्ले स्टोर और एपल उपकरणों के लिए एप स्टोर दोनों पर आसानी से उपलब्ध है। वर्तमान में विस्तृत शोध रिपोर्ट सेवाएं निःशुल्क हैं, हालांकि आने वाले महीनों में हम प्रीमियम सदस्यता मॉडल पर ले जाने की योजना बना रहे हैं।

मोतीलाल ओसवाल के रिटेल ब्रोकिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस के वित्तीय उत्पाद वितरण एयूएम (प्रबंधनाधीन संपत्ति) में सालाना आधार पर 31 फीसदी की तेजी देखी गई और यह बढ़कर 16,764 करोड़ रुपये हो गया, वहीं वित्त वर्ष 22 में डीपी एयूएम में सालाना आधार पर 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

उद्योग में उच्चतम एआरपीयू (प्रति यूनिट औसत राजस्व) में से एक के साथ बीएंडडी व्यवसाय ने वित्त वर्ष 2022 में अब तक का सबसे अधिक वार्षिक दैनिक टर्न ओवर, वार्षिक राजस्व और लाभ दर्ज किया।

रिलायंस 3.2 करोड़ डॉलर में करेगी सोलर कंपनी सेंसहॉक का अधिग्रहण

नयी दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) 3.2 करोड़ डालर में अमेरिकी सोलर कंपनी सेंसहॉक इंक का अधिग्रहण करेगी।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसके साथ ही सोलर एनर्जी के क्षेत्र में उसकी स्थिती और मजबूत होने की उम्मीद है। सेंसहॉक एक सोलर डिजिटाइज़ेशन प्लेटफ़ॉर्म है जो सोलर एनर्जी के क्षेत्र में एंड टू एंड मैनेजमेंट ऑफर करता है। 2018 में कैलिफ़ोर्निया में स्थापित सेंसहॉक, सौर ऊर्जा उद्योग के लिए सॉफ़्टवेयर-आधारित प्रबंधन टूल का डेवलपर है। सेंसहॉक कंपनियों को प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और सौर परियोजनाओं की योजना से लेकर उत्पादन तक व्यवस्था बनाने में मदद करता है। सेंसहॉक ने 15 देशों में फैले अपने 140 से अधिक ग्राहकों को उनकी करीब 600 साइटों पर एंड टू एंड सॉल्युशन दिए हैं।

इस पर आरआईएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, हम अपने परिवार में सेंसहॉक का स्वागत करते हैं। रिलायंस, ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए प्रतिबद्ध है और 2030 तक 100 गीगावॉट सौर ऊर्जा बनाने में मदद करने का विजन रखती है। सेंसहॉक के सहयोग से हम सौर परियोजनाओं की लागत कम करेंगे, उत्पादकता बढ़ाएंगे और प्रदर्शन में सुधार करेंगे। मुझे विश्वास है कि आरआईएल के समर्थन से सेंसहॉक का कई गुना विकास होगा।

सेंसहॉक के सीईओ और सह-संस्थापक स्वरूप मवनूर ने कहा, हम प्रसन्न हैं कि आरआईएल ने इस निवेश के साथ हम पर भरोसा किया है।

लेन-देन कुछ नियामक और अन्य प्रथागत समापन शर्तों के अधीन है और 2022 के अंत से पहले पूरा होने की उम्मीद है।

भारतीय ई-कॉमर्स विक्रेताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पार सेवाएं

नयी दिल्ली। सास-आधारित शिपिंग प्लेटफार्मो में से एक आईथिंक लॉजिस्टिक्स ने अपने अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग सेवा पोर्टल आईथिंक लॉजिस्टिक्स इंटरनेशनल के लॉन्च की घोषणा की है। यह नया उपक्रम तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स व्यवसायों (एसएमई) और डी2सी ब्रांडों को आईथिंक लॉजिस्टिक्स इंटरनेशनल द्वारा रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से जुड़े वैश्विक बाजारों में ई-कॉमर्स बिक्री का विस्तार और विकास करने में मददगार साबित होगा।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि भारत से अंतर्राष्ट्रीय सीमा-पार माल परिवहन का बाजार 2025 तक लगभग 129 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है और आईथिंक लॉजिस्टिक्स अपने एआई और मशीन लर्निंग पावर्ड टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म का लाभ उठाते हुए एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय सेवा का निर्माण करके भारतीय ई-कॉमर्स विक्रेताओं की विकास महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करना चाहता है।

आईथिंक लॉजिस्टिक्स का अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग प्लेटफॉर्म ई-कॉमर्स विक्रेताओं को सभी प्रमुख बाज़ार स्थानों जैसे अमेजन, ईबे, एलसी और अन्य के साथ एकीकरण प्रदान करता है।

होटल बुकिंग के लिए फ्लिपकार्ट होटल्स लॉन्च

नयी दिल्ली। ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने ट्रैवल सेक्टर के लिए अपनी पेशकश मजबूत बनाने के इरादे से अपने प्लेटफार्म पर होटल-बुकिंग फीचर - फ्लिपकार्ट होटल्स के लॉन्च की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस फीचर से ग्राहकों को बेहतर पहुंच और विकल्प का लाभ मिलेगा। करीब 3 लाख घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय होटलों में कमरे बुक करने की सुविधा मिलेगी। होटल सेवाओं की पेशकश के तहत, फ्लिपकार्ट का इरादा अपने ग्राहकों को सुविधाजनक ट्रैवल एवं बुकिंग संबंधी नीतियों के साथ-साथ ईएमआई जैसी सुविधाएं मुहैया कराना है ताकि उनके लिए ट्रैवल किफायती और बजट-फ्रैंडली बन सके। क्लीयरट्रिप के एपीआई द्वारा समर्थित, फ्लिपकार्ट होटल्स को ट्रैवल ग्राहकों समेत इस क्षेत्र को बेहतर ढंग से समझने के क्लीयरट्रिप के अनुभव का लाभ मिलेगा। फ्लिपकार्ट ऐप पर उपलब्ध यह नई पेशकश ग्राहकों को बुकिंग के अलावा फ्लिपकार्ट प्लेटफार्म पर यूज़रों को थर्ड पार्टी द्वारा की जाने वाली पेशकश का लाभ उठाने का मौका भी मिलेगा। फ्लिपकार्ट होटल्स अपने ग्राहकों के लिए बेहतर अनुभव और आकर्षक डील्स के अलावा बेहतर सेवा भी प्रदान करेगा। ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उनके लिए एक अलग कस्टमर केयर सेंटर भी खोला गया है जो यूज़र-संबंधी पूछताछ में सपोर्ट देगा।

गोयल सान फ्रांसिस्को मैं वैश्विक भारतीय तकनीकी विशेषज्ञों से मिले निवेश के लिए आमंत्रित किया

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका में सान फ्रांसिस्को में वैश्विक स्तर पर काम कर रहे प्रौद्योगिकी क्षेत्र के भारतीय उद्यमियों के साथ एक बैठक में उन्हें देश में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

श्री गोयल ने भारतीय प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को देश की सफलता की कहानी को विश्व स्तर पर ले जाने की अपील भी की। वह इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। पांच से 10 सितंबर की इस यात्रा में वह भारत - अमेरिका रणनीतिक भागीदारी मंच की बैठक और भारत प्रशांत आर्थिक संधि की मंत्री स्तरीय बैठक में भी शामिल होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री गोयल ने सान फ्रांसिस्को में ग्लोबल इंडियन टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल एसोसिएशन और फाउंडेशन ऑफ इंडिया एंड इंडियन डायसपोरा स्टडीज के प्रतिनिधियों से बातचीत की। उन्होंने प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के समुदाय को भारत की वृद्धि की कहानी का समर्थन करने और भारत को वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश का एक आकर्षक स्थान के रूप में प्रस्तुत करने की अपील की। उन्होंने भारत में निवेश करने और देश में अपने परिचालन केंद्र बनाने का उनसे आह्वान भी किया।

श्री गोयल ने वहां मीडिया से बातचीत में कहा कि भारत और अमेरिका की भागीदारी विश्वास की भागीदारी है और व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा प्रतिभा इसके तीन स्तंभ है। उन्होंने बताया की सैन फ्रांसिस्को में उनकी उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से बातचीत हुई जिसमें उन्हें भारत के बारे में उनकी राय से अवगत कराया गया और उनकी ओर से भारत और अमेरिका के बीच संबंधों के विस्तार के बारे में कुछ सुझाव भी प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी निवेशकों में भारत को लेकर अच्छा उत्साह देखने को मिला।

श्री गोयल ने सन फ्रांसिस्को मैं महात्मा गांधी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वह वहां गदर मेमोरियल हाल भी गए। दिन में उन्होंने अमेरिका के छह अंचलों में भारतीय चार्टर लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) की शाखाओं का उद्घाटन भी किया।

डिसैलिनेशन में है वैश्विक जल संकट से निपटने की क्षमता

नयी दिल्ली। वैश्विक स्तर पर पीने के पानी के बढ़ते संकट के बीच खारे समुद्री जल से नमक अलग कर मीठा पानी बनाने की प्रक्रिया डिसैलिनेशन में इस संकट के समाधान की क्षमता है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार वैश्विक स्तर पर लगभग एक अरब लोगों के पास पीने के पानी की कमी है और 2050 तक यह संख्या 1.4 अरब तक पहुंचने का अनुमान है। पीने के पानी के लिए अन्य स्रोत तलाशने का समय आ गया है। भारत के पश्चिम में गुजरात से लेकर पूर्व में कोलकाता तक फैली एक लंबी तटरेखा है। 1.3 अरब से अधिक आबादी के साथ भारत में धीरे-धीरे देश के लिए पीने योग्य पानी की आपूर्ति में मदद के लिए गुजरात और तमिलनाडु जैसे प्रमुख तटीय क्षेत्रों में डिसैलिनेशन (खारे समुद्री जल से नमक अलग कर मीठा पानी बनाना) प्लांट स्थापित करने की आवश्यकता को महसूस किया जा रहा है।

भारत की 60 साल पुरानी और इंडस्ट्रियल पाइपिंग सॉल्यूशन देने वाली नंबर एक कंपनी केमिकल प्रोसेस पाइपिंग (सीपीपी) ने दुनियाभर में विभिन्न डिसैलिनेशन प्लांट स्थापित करने में एक अभिन्न भूमिका निभाई है। यह कंपनी भारतीय पाइपिंग उद्योग के लिए जीआरपी और एफआरपी आधारित पाइप बनाने में अग्रणी है।

दुनियाभर में सीपीपी की पाइपों के माध्यम से 2 अरब लीटर से अधिक डिसैलिनेटेड पीने योग्य पानी बहता है और धीरे-धीरे यह मात्रा लगातार बढ़ रही है। सीपीपी 2004 से वैश्विक स्तर पर डिसैलिनेशन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है। इसकी शुरुआत सिंगापुर, मेलबर्न, शारजाह, अबू धाबी और अन्य कुछ स्थानों से हुई। कंपनी ने इस दिशा में कई प्रमुख परियोजनाओं पर काम किया है।

गुजरात के भरूच में दाहेज में हाल ही में स्थापित किया गया डिसैलिनेशन प्लांट एक ऐसा ही उदाहरण है, जहां सीपीपी देश में पानी की समस्या के समाधान की दिशा में भारत सरकार की मदद कर रही है। दाहेज डिसैलिनेशन प्लांट प्रतिदिन 100 एमएलडी पीने योग्य पानी बनाने में सक्षम है, जिसका उपयोग उद्योगों के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए भी किया जाएगा।

सीपीपी के विजय राजपुरोहित ने कहा, भारत में औद्योगिक पाइपिंग सॉल्यूशन में नंबर 1 होने की हमारी छह दशक पुरनी विरासत के साथ सीपीपी भारत और दुनियाभर में डिसैलिनेशन बाजार में शुरुआती स्तर पर ही प्रवेश कर चुका है।

अब हम देश की पानी की समस्या को हल करने की लड़ाई में भारत सरकार के लिए एक सुसज्जित मेक इन इंडिया भागीदार बनने के लिए तैयार हैं। ज्यादा दबाव सहने में सक्षम और टिकाऊ पाइप के साथ हम डिसैलिनेशन, ईपीसी और अन्य परियोजनाओं के लिए एफआरपी पाइपिंग के डिजाइन, निर्माण और स्थापना के लिए भारतीय बाजार में अग्रणी हैं।'

भारत सरकार समुद्र तट पर शहरों और कस्बों में कई डिसैलिनेशन संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है। यह जल संकट से निपटने की दिशा में एक कदम है, जो बारिश की कमी या जनसंख्या में वृद्धि के कारण कई राज्यों में दस्तक दे रहा है। उन्होंने आगे कहा, हालांकि भारत में डिसैलिनेशन में निवेश थोड़ा धीमा रहा है, लेकिन भारत सरकार और निजी उद्योग निश्चित रूप से नए डिसैलिनेशन संयंत्र स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और हम एक कंपनी के रूप में देश में मंडरा रहे जल संकट को रोकने में मदद करने के लिए तैयार हैं।'

सीपीपी वर्तमान में तमिलनाडु के नेम्मेली में नेम्मेली डिसैलिनेशन प्लांट पर काम कर रही है जो 2023 में शुरू होगा। प्लांट में 150 एमएलडी डिसैलिनेट करने की क्षमता है। सीपीपी ने 23 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 15 मिमी से 1600 मिमी व्यास की 12.5 किमी से अधिक की एफआरपी पाइप लगाई हैं।

मोटापा घटाने वाला एल्यूरियन कैप्सूल भारतीय बाजार में

नयी दिल्ल। हेल्थटेक कंपनी एल्यूरियन ने मोटापा घटाने में मददगार अपना पेंटेंटेड उत्पाद भारतीय बाजार में लाँच किया जो चार महीने में 14 किलोग्राम तक वजन कम करने में सक्षम है।

भारतीय मूल के डॉ शांतनु गौर और डॉ राम चुट्टानी द्वारा अमेरिका में स्थापित हेल्थटेक कंपनी एल्यूरियन का यह अनोखा कैप्सूल दुनिया के करीब 60 देशों में उपलब्ध है और अब तक एक लाख से अधिक लोग इसका उपयोग कर चुके हैं। भाारतीय बाजार में लाँच किये जाने से पहले कंपनी ने देश के प्रसिद्ध बैरियाट्रिक और इंडोस्कोपिक सर्जन डॉ मोहित भंडारी से इसके लिए संपर्क किया जिन्होंने 500 से अधिक लोगों में इस कैप्सूल को सफलतापूर्वक लगा चुके हैं।

एल्यूरियन के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ गौर ने आज यहां संवाददाताओं को यह जानकारी देते हुसे कह कि इस कैप्सूल को निगलने के बाद चिकित्सक उसमें पहले से लगे कैथेटर के माध्यम से करीब 550 मिलीलीटर तरल पदार्थ के साथ इसे बैलून के आकार में फुला देते हैं जिससे पेट का एक हिस्सा हमेशा भरा हुआ रहता है और वजन कम करने की चाहत रखने वालों का खाना कम हो जाता है।

इस प्रक्रिया में किसी तरह की सर्जरी, एंडोस्कोपी या एनेस्थेसिया की जरूरत नहीं होती। प्रक्रिया पूरी कर लेने के बाद यह देखने के लिए एक एक्सरे किया जाता है कि बैलून सही स्थिति में है या नहीं। पूरी प्रक्रिया 15 मिनट में पूरी कर ली जाती है। यह बैलून चार महीने तक पेट में रहता और उसके बाद स्वत~ यह मल के माध्यम से शहरी से बाहर हो जाता है। जिनको अधिक वजन कम करना होता है उनका तीन महीने के बाद फिर से दूसरा कैप्सूल दिया जाता है।

कोका-कोला फाउंडेशन राजस्थान में दो बांध बनाकर लोगों की बदल रहा है जिंदगी

नयी दिल्ली। देश भर में जल स्तर में गिरावट से चिंतित कोका-कोला फाउंडेशन अन्य सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर राजस्थान के धौलपुर जिले के टोंत्री गांव में दो बांध बनाकर लोगों के जीवन को बदलने कोशिश कर रहा है, इससे पांच गांवों के करीब 14 हजार लोगों को लाभ होगा।

कोलाकोला फाउंडेशन के एक अधिकारी राजीव गुप्ता ने बताया कि इस बांध के निर्माण से न केवल पेयजल की समस्या का समाधान हुआ है, बल्कि खेती भी आसान हुई है और किसानों ने पानी की अनुपलब्धता के कारण छोड़ी गई फसलों की खेती शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, हमारा राजस्थान और देश के अन्य हिस्सों में जहां पानी की भारी कमी है, बांधों के निर्माण और नदियों की सफाई के माध्यम से लोगों को पानी उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सात किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जिसके जरिए खेतों और घरों तक पानी पहुंचाया जाएगा।

इस अभियान से जुड़ी डॉ. स्वाति स्नोटकर और मिलिंद पंडित ने बताया कि आनंदाना और कोका-कोला फाउंडेशन ने पहला बांध महज 90 लाख रुपये की लागत से दो महीने में पूरा किया है, जबकि दूसरा बांध तीन महीने में 1.2 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हुआ है। यह लगभग 11 किलोमीटर की दूरी तय करता है। उन्होंने कहा कि इसका फायदा यह हुआ है कि जलस्तर कम होने से जो फसल छूट गई है, उसकी खेती शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि पहले केवल बाजरे की खेती की जाती थी लेकिन अब टमाटर, आलू, गेहूं, सब्जियां और बाजरे की भी खेती की जा रही है और इससे किसानों की आय बढ़ रही है।

कोका-कोला इंडिया बॉटलिंग ऑपरेशन और कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन (आनंदना) द्वारा शुरू की गई पानी की पुन: पूर्ति पहल के माध्यम से लगभग 10 लाख लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। कोका-कोला कंपनी जल सुरक्षा को एक साझा जिम्मेदारी मानती है। वर्ष 2007 में, कंपनी ने देश भर में दूरस्थ और जल-दबाव वाले क्षेत्रों में नवीन जल प्रबंधन रणनीतियों को विकसित करने के लिए गैर सरकारी संगठनों, नागरिक समाज संगठनों और समुदाय के सदस्यों के साथ साझेदारी करने के लिए आनंदना-कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन की स्थापना की।

राजस्थान में कोका-कोला इंडिया की जल प्रबंधन और संरक्षण पहल जयपुर, अजमेर, धौलपुर, बांसवाड़ा, सवाई माधोपुर, टोंक, सीकर, डूंगरपुर, अलवर और बारां जैसे 10 जिलों में फैली हुई है। कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन 75 से अधिक जल संरक्षण राजस्थान को सालाना आठ अरब लीटर से अधिक वर्षा जल संचय करने में सक्षम बनाने के लिए %अमृत सरोवर% द्वारा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन ने राजस्थान के धौलपुर क्षेत्र में पानी की समस्या को समाप्त करने के लिए ल्यूपिन ह्यूमन वेलफेयर एंड रिसर्च फाउंडेशन और राजपूताना सोसाइटी ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के साथ भागीदारी की है। बामिनी नदी पर बांध, जो न केवल पानी जमा करते हैं बल्कि धौलपुर क्षेत्र में भूजल को भी बढ़ाते हैं।

दशकों पहले, टोंत्री गांव के लोग गंभीर जल संकट का सामना कर रहे थे और उन्हें अपनी दैनिक गतिविधियों के बारे में जाना पड़ता था, जैसे वे खाना पकाने, सिंचाई के लिए संघर्ष कर रहे थे और जानवरों को खिलाने में दिक्कतें आ रहीं थी। इस परियोजना ने अपने कार्यान्वयन के बाद से आसपास के पांच गांवों में 11,000 से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

शार्ट न्यूज

पायस-यशस्वी की जोड़ी ने एशियाई चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

नयी दिल्ली। पायस जैन और यशस्विनी घोरपड़े की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने मंगलवार को चीन के हान ज़िनयुआन और किन युक्सुआन को 3-2 से हराकर एशियाई जूनियर और कडेट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में अपने चीनी प्रतिद्वंदियों को 11-9, 11-1, 10-12, 7-11, 11-8 से हराया। यह एशियाई चैंपियनशिप में भारत का पहला जूनियर स्वर्ण पदक है। टॉप सीड भारतीय जोड़ी ने मैच में अच्छी शुरुआत करते हुए 2-0 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन ज़िनयुआन-युक्सुआन ने मैच में वापसी करते हुए अगले दो गेम अपने नाम किये। निर्णायक गेम में पायस और यशस्विनी ने संतुलित शॉट खेलते हुए विपक्षी टीम को लाजवाब कर दिया। इसके अलावा भारत ने अंडर-19 महिला, अंडर-19 पुरुष युगल और अंडर-19 पुरुष टीम इवेंट में भी कांस्य पदक हासिल किये। शीर्ष वरीयता प्राप्त यशस्विनी ने अंडर-19 महिला एकल में क्वार्टरफाइनल तक अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन सेमीफाइनल में चीन की चेन यी से 13-11, 11-9, 11-4, 11-3 के सीधे गेमों में हार गईं और कांस्य पदक से संतोष किया। मिश्रित युगल में यशस्विनी के साथी पायस ने अंडर-19 पुरुष युगल में दिल्ली के साथी यशांश मलिक के साथ जोड़ी बनायी लेकिन यहां वह सोना नहीं जीत सके। पायस और यशांश की भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में युता इइमुरा और युही सकाई की जापानी जोड़ी के खिलाफ 11-8, 11-7, 12-14, 11-6 से हारने के बाद कांसे का तमगा अपने नाम किया।

ग्रीन, कैरी के अर्द्धशतक से जीती ऑस्ट्रेलिया

केर्न्स। ऑस्ट्रेलिया ने कैमरन ग्रीन (89 नाबाद) और एलेक्स कैरी (85) की संकटमोचक पारियों की बदौलत न्यूज़ीलैंड को पहले एकदिवसीय मैच में मंगलवार को दो विकेट से मात दी। न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 233 रन का लक्ष्य दिया था, जिसका पीछा करते हुए आधी कंगारू टीम 44 रन पर पवेलियन लौट गयी थी। टीम के ऊपरी और मध्य क्रम के असफल होने के बाद कैरी और ग्रीन ने छठे विकेट के लिये 158 रन की विशाल साझेदारी की। कैरी ने 99 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की बदौलत 85 रन बनाए जबकि ग्रीन ने 92 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्का लगाकर 89 रन की नाबाद पारी खेली। 40वें ओवर में कैरी के आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया थोड़ी लड़खड़ाई और ग्लेन मैक्सवेल (02) के साथ मिचेल स्टार्क (01) भी जल्द पवेलियन लौट गए, लेकिन ग्रीन ने एडम जैम्पा के साथ 26 रन की साझेदारी कर कंगारुओं को रोमांचक मुकाबले में दो विकेट से जीत दिलायी। इससे पहले, न्यूजीलैंड ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 232 रन बनाए। कीवी टीम की ओर से डेवोन कौन्वे ने 46 (68), कप्तान केन विलियमसन ने 45(71) और टॉम लैथम ने 43(57) रन बनाए। इसके अलावा डेरिल मिचेल ने 33 गेंदों पर 26 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने एक भी कीवी बल्लेबाज को 50 का आंकड़ा नहीं छूने दिया।

सुदेवा और रेंजर्स की जीत

नयी दिल्ली। डूरंड कप खेल कर लौटी दिल्ली की दो मंजी हुई टीमों के बीच मंगलवार को नेहरू स्टेडियम में खेले गए संघर्षपूर्ण मुकाबले में सुदेवा दिल्ली एफसी ने वायुसेना एफसी को अंकुर सिंह के आत्मघाती गोल की मदद से हरा दिया। भले ही सुदेवा को 1-0 की जीत के बाद पूरे अंक मिले लेकिन वायु सेना की हार में सुदेवा के गोलकीपर आशीष सीबी ने बड़ी भूमिका निभाई। वायुसेना ने पिछड़ने के बाद बार-बार सुदेवा की रक्षापंक्ति को भेदा लेकिन हर बार गोली आशीष मुस्तैद नजर आये। उन्होंने प्रभजोत, विवेक और मनदीप के हर प्रयास को विफल किया। आशीष ने कम से कम आधा दर्जन मौकों पर सुंदर बचाव कर वाह वाह लूटी जिसके लिये उन्हें मैन ऑफ द मैच आंका गया। दिन के दूसरे मैच में रेंजर्स एससी ने अंकतालिका में सबसे नीचे चल रही उत्तरखण्ड एफसी को 3-1 से परास्त कर पूरे अंक अर्जित किए। रेंजर्स के लिए मैन आफ द मैच अमित कुमार ने दो गोल जमाए। एक गोल आशुतोष थपलियाल ने किया। पराजित टीम का गोल अर्जुन के नाम रहा।

61वें सुब्रतो कप का उद्घाटन, पहला मैच रहा ड्रॉ

नयी दिल्ली, 06 सितंबर (वार्ता) सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट का 61वां संस्करण दो साल के अंतराल के बाद दिल्ली के भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में मंगलवार को शुरू हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन अंडर-14 किशोर श्रेणी मैच के साथ शुरू हुआ जहां राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और गवर्नमेंट मॉडल एचएसएस सेक्टर-36 चंडीगढ़ ने गोलरहित ड्रा खेला। इस अवसर पर भारोत्तोलन में राष्ट्रमंडल खेल 2022 के पदक विजेता, जूनियर वारंट अधिकारी विकास ठाकुर और गुरुराजा पुजारी भी उपस्थित थे। सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी (एसएमएसईएस) के वाइस चेयरमैन एयर मार्शल के अनंतरामन ने इस अवसर पर कहा, सुब्रतो कप की प्रतिष्ठा बहुमूल्य है। बच्चों के जीवन के इन महत्वपूर्ण प्रारंभिक वर्षों के दौरान पढ़ाई के साथ-साथ खेल और शारीरिक गतिविधियों में भी शामिल होने के लिए सुब्रतो कप प्रोत्साहित करता है। हमारे चैंपियन एथलीट और गेस्ट ऑफ ऑनर विकास ठाकुर और गुरुराजा इस बात के बेहतरीन उदाहरण हैं कि खेल उत्कृष्टता क्या हासिल कर सकती है। मैं भाग लेने वाली सभी टीमों को शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि युवा खेल प्रतिभाओं का संगम उत्साहपूर्वक प्रतिस्पर्धा करेगा, लेकिन खेल भावना और अनुशासन के साथ। एयर मार्शल अनंतरामन ने इस अवसर पर राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन के लिए विकास और गुरुराजा को सम्मानित किया। सुब्रतो कप के पहले मैच में गवर्नमेंट मॉडल एचएसएस सेक्टर-36 चंडीगढ़ बॉयज़ एंव एनसीसी सामने आये जिसमें किसी भी टीम ने गोल नहीं किया और मैच ड्रा के साथ समाप्त हुआ। हालांकि दोनों टीमों को गोल करने के मौके कम ही मिले।

राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियनशिप में 31 टीमो के बीच होगी कड़ी टक्कर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कल से शुरू होने वाली 51वीं राष्ट्रीय सीनियर पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप में गत विजेता एसएसबी खिताब बरकरार रखने की पुरजोर कोशिश करेगी मगर इसके लिये उसे राजस्थान, रेलवे और हरियाणा समेत अन्य टीमों से कड़ा मुकाबला करना होगा। चैंपियनशिप के लिये सभी 31 टीमों ने नवाब नगरी में डेरा डाल दिया है। भारतीय हैंडबॉल महासंघ के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय इस चैंपियनशिप की शुरुआत 07 सितंबर से होगी। चैंपियनशिप के मुकाबले केडी सिंह बाबू स्टेडियम में चार कोर्ट पर खेले जाएंगे। लीग कम नाकआउट आधार पर होने वाली इस चैंपियनशिप में भाग लेने वाली 31 टीमों को आठ पूल में बांटा गया है। चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन सात सितंबर को केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर शाम पांच बजे किया जाएगा। पिछली बार चैंपियनशिप का खिताब एसएसबी के नाम हुआ था जबकि राजस्थान दूसरे, रेलवे तीसरे, हरियाणा चौथे, पंजाब पांचवें, चंडीगढ़ छठे, उत्तर प्रदेश सातवें और बिहार आठवें स्थान पर रहा था। लखनऊ के मोहित यादव को उत्तर प्रदेश की टीम का कप्तान बनाया गया है।

घुटने की सर्जरी सफल, जल्द रिहैब शुरू करूंगा

नयी दिल्ली। भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के चोटग्रस्त दाहिने घुटने की सर्जरी हुई है और वह जल्द ही रिहैब शुरू करेंगे। जडेजा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जडेजा को घुटने की पुरानी चोट के कारण एशिया कप बीच में ही छोड़ना पड़ा जिसके बाद हरफनमौला अक्षर पटेल को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया था। जडेजा ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर अपनी सर्जरी की जानकारी देते हुए कहा, सर्जरी सफल रही। बड़ी संख्या में लोगों का मुझे समर्थन और सहभागिता मिली, इसके लिये मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं- बीसीसीआई, मेरे टीम के साथी, सपोर्ट स्टाफ, फिज़ियो, डॉक्टर और प्रशंसक।

दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की

जोहांसबर्ग। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए मंगलवार को प्रोटियाज टीम की घोषणा की, जिसमें कप्तान टेम्बाए बावुमा की वापसी हुई है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जून में हुई टी20 शृंखला के दौरान बावुमा की कोहनी में चोट आई थी जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे। सीएसए ने बताया कि बावूमा अब पूरी तरह स्वस्थ हो गए हैं और लगातार दूसरे टी20 विश्व कप में अपनी टीम की अगुवाई करेंगे।

विस्फोटक बल्लेबाज रैसी वैन डेर डुसेन को इंग्लैंड में दूसरे टेस्ट मैच के दौरान लगी उंगली की चोट से न उभर पाने के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है। 33 वर्षीय डुसेन की सर्जरी होने की आशंका है, जो उन्हें कम से कम छह हफ्तों के लिए मैदान से दूर रखेगी। इंग्लैंड दौरे के लिए छह साल बाद टी20 टीम में जगह बनाने वाले राइली रूसो ने भी 15 सदस्यीय दल में जगह बनाई है। यह टीम विश्वकप से पहले तीन मैचों की टी20 शृंखला के लिए सितंबर में भारत दौरा भी करेगी।

सीएसए चयनकर्ताओं के संयोजक विक्टर म्पित्सांग ने टीम चयन के बाद कहा, यह चयन करने के लिए वास्तव में एक कठिन टीम रही है, सिर्फ इसलिए कि पिछले कुछ महीनों से हमारे बहुत सारे खिलाड़ी उत्कृष्ट फॉर्म में थे और एक स्तर पर प्रदर्शन कर रहे थे जिसने चयनकर्ताओं को उन पर विचार करने के लिए मजबूर किया।

ट्रिस्टन स्टब्स जैसा एक खिलाड़ी जो एक साल पहले तस्वीर में नहीं था, उसने अपने प्रदर्शन के आधार पर टीम में अपनी जगह बनाने के लिए अविश्वसनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है और उसका चयन हर युवा खिलाड़ी के लिए प्रेरणादायक होना चाहिए। हमें अपने कप्तान टेम्बा बावुमा का चोट से वापस स्वागत करते हुए भी खुशी हो रही है और हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनकी वापसी टीम को और मजबूत करेगी।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों के इस समूह ने हाल ही में इंग्लैंड में इंग्लैंड को हराकर अपने शानदार कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस तरह का प्रदर्शन हमारे लिए विश्व कप की ओर बढ़ने का संकेत है। कुल मिलाकर हम उन खिलाड़ियों के मिश्रण से खुश हैं जिन्हें चुना गया है और हम उन्हें ऑस्ट्रेलिया में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

टीम : टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, हेनरिक क्लासेन, रीजा हेंड्रिक्स, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्त्जे, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कगिसो रबाडा, राइली रूसो, तबरेज़ शम्सी .

अतिरिक्त खिलाड़ी : ब्योर्न फोर्टुइन, मार्को जेन्सन और एंडिले फेहलुकवेओ।

राजस्थान के पारंपरिक खेलों पर शोध करेगा गाजियाबाद का आईएमटी

एजेंसी

गाजियाबाद। देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देते हुए परंपरागत खेलों का संरक्षण करने के लिये हाल ही में 'स्पोर्ट्स रिसर्च सेंटर' की स्थापना करने वाले देश के पहले खेल प्रबंधन संस्थान आईएमटी, गाजियाबाद को राजस्थान के पारंपरिक खेलों पर शोध कर इन्हें बच्चों के लिये रुचिकर बनाने की जिम्मेदारी दी गयी है।

आईएमटी की ओर से मंगलवार को बताया गया कि राजस्थान के तीन विश्वविद्यालयों ने प्रदेश के राज्यपाल कलराज मिश्र की मौजूदगी में संस्थान के साथ इस आशय के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं।

इसके तहत खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिये उचित मंच प्रदान कर रहे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में संचालित आईएमटी को राजस्थान के पारंपरिक खेलों की खोज एवं उनको बढ़ावा देने के लिए ध्वजवाहक बनाया गया है।

राजस्थान के उदयपुर स्थित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और बांसवाड़ा स्थित गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय ने राजस्थान के पारंपरिक खेलों पर शोध करने के लिये आइएमटी गाजियाबाद के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किये हैं।

जयपुर स्थित राजभवन में राज्यपाल मिश्र की उपस्थिति में एमओयू पर गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आईवी त्रिवेदी और आइएमटी के निदेशक डॉ. विशाल तलवार ने हस्ताक्षर किये।

प्रो त्रिवेदी ने बताया कि आईएमटी गाजियाबाद के स्पोर्ट्स रिसर्च सेन्टर के प्रमुख डा. कनिष्क पाण्डेय ने राजस्थान में खेलों की स्थिति को लेकर एक अध्ययन किया।

अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालयों से संपर्क किया गया और इस क्षेत्र में खेलों के भविष्य को सुरक्षित रखने के काम को आगे बढ़ाने के लिए तीनों विश्वविद्यालयों ने आईएमटी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किये हैं। आईएमटी के निदेशक डा. तलवार ने बताया कि आईएमटी देश का अकेला ऐसा संस्थान है, जिसमें खेलों को लोक संस्कृति बनाने के लिए निरंतर शोध किया जा रहा है और देश के सुदूर क्षेत्रों में पारंपरिक खेलों को पहचान कर उन्हें फिर से लोकप्रिय बनाया जाता है।

रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका ने भारत को मात दी

दुबई। श्रीलंका ने पथुम निसंका (52) और कुसल मेंडिस (57) के अर्द्धशतकों के बाद दसुन शनाका (33 नाबाद) भनुका राजपक्षे (25 नाबाद) की बहुमूल्य पारियों की बदौलत भारत को एशिया कप 2022 के सुपर-4 मैच में मंगलवार को छह विकेट से मात दी।

भारत ने श्रीलंका को 20 ओवर में 174 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने 19.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। श्रीलंका को आखिरी ओवर में सात रनों की दरकार थी। अर्शदीप सिंह ने बेहतरीन प्रयास करते हुए पहली चार गेंदों पर सिर्फ पांच रन दिये, लेकिन पांचवीं गेंद पर ओवरथ्रो के कारण श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने दो रन भागकर जीत हासिल की।

सुपर-4 के अपने पहले दोनों मुकाबले हारने के बाद रोहित शर्मा की टीम अब एशिया कप के फाइनल में पहुंचने के लिये दूसरी टीमों पर निर्भर है।

भारत ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 13 रन पर दो विकेट गंवा दिये थे, जिसके बाद रोहित ने कप्तानी पारी खेलते हुए 41 गेंदों पर पांच चौके और चार छक्के जड़कर 72 रन बनाये। रोहित ने सूर्यकुमार यादव (34) के साथ तीसरे विकेट के लिये 97 रन जोड़े, हालांकि इसके अलावा भारत की ओर से कोई बड़ी साझेदारी नहीं हुई।

केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए सात गेंदों पर छह रन बनाये। पिछले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 60 रन की पारी खेलने वाले विराट कोहली अपना खाता भी नहीं खोल सके और दिलशन मदुशंका की गेंद पर बोल्ड हो गये।

इसके अलावा हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत ने 17-17 रन बनाये। टीम में वापसी करने वाले रविचंद्रन अश्विन ने आखिर में सात गेंदों पर 15 रन बनाकर टीम को 20 ओवर में 173/8 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

श्रीलंका की ओर दिलशन मदुशंका ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि चमिका करुणारत्ने ने चार ओवर में 27 रन देकर दो विकेट अपने नाम किया। शनाका ने दो ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिये।

श्रीलंका के सलामी बल्लेबाजों ने 174 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को विस्फोटक शुरुआत दिलायी और निसंका-मेंडिस की जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 67 गेंदों पर 93 रन जोड़े।

निसंका ने 37 गेंदों पर चार चौके और दो छक्के लगाकर 52 रन बनाये जबकि मेंडिस ने 37 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की बदौलत 57 रन की पारी खेली।

चरित असलंका (शून्य) और दनुष्का गुनतिलक (01) का विकेट जल्दी गिरने के बाद भारत की कुछ उम्मीदें जगीं, लेकिन भानुका राजपक्षे ने कप्तान दसुन शनाका के साथ मिलकर श्रीलंका को लक्ष्य तक पहुंचाया।

राजपक्षे ने 17 गेंदों पर दो छक्के लगाते हुए 25 रन बनाये, जबकि शनाका ने 18 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का लगाकर 33 रन जोड़े।

श्रीलंका को जब आखिरी दो ओवर में 21 रन चाहिये थे तब कप्तान रोहित ने भुवनेश्वर कुमार को गेंद सौंपी, हालांकि यह फैसला भारत के हित में नहीं रहा और श्रीलंका ने इस ओवर में 14 रन जोड़े। अर्शदीप सिंह आखिरी ओवर में भरसक प्रयास के बावजूद सात रन नहीं बचा सके और श्रीलंका ने एक गेंद रहते ही 174 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारत की ओर से युज़वेंद्र चहल ने चार ओवर में 34 रन देकर चार विकेट तीन विकेट झटके, हालांकि यह भारत को जीत दिलाने के लिये काफी नहीं रहा। इसके अलावा एकलौता विकेट अश्विन ने लिया जबकि अन्य गेंदबाजों की विकेट की पंक्ति खाली रही।

भारत को एशिया कप के पहले सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तान ने मात दी थी। लगातार दूसरी हार के बाद भारतीय टीम प्रत्यक्ष रूप से एशिया कप के फाइनल में पहुंचने का मौका गंवा चुकी है और अब उसकी किस्मत दूसरी टीमों के हाथ में है।

ताइवान ने चीन को फिर दिखाए तेवर, अमेरिका के बाद फ्रांसीसी सांसद करेंगे दौरा

ताइपे। ताइवान के चीन से बिगड़े हालातों के बीच फ्रांसीसी सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल ताइपे दौरा करने वाला है। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि अमेरिकी अधिकारियों के बाद फ्रांस ने भी ताइवान दौरा करने का निर्णय लिया है जो स्वागत योग्य कदम है। बता दें कि इससे पहले अमेरिकी सीनेटर नैन्सी पेलोसी के ताइपे दौरे पर चीन को मिर्ची लगी थी। इस बार यूरोपीय देश फ्रांस के ताइवान दौरे को लेकर चीन फिर भड़क सकता है। हालांकि ताइपे ने कहा है कि चीन के साथ तनाव बढ़ने के बावजूद ताइवान समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के साथ संबंधों को मजबूत करने का इच्छुक रहा है।

ताइवान को अपनी धरती का हिस्सा बताने का दावा करने वाले चीन के साथ ताइवान भी अब खुलकर सामने आ गया है। हाल ही में ताइवान ने दावा किया था कि उसने चीनी ड्रोन को मार गिराया था। दावा किया कि चीन का ड्रोन उसकी सीमा के अंदर प्रवेश कर गया था। इसलिए उसे जवाबी कार्रवाई में ऐसा करना पड़ा। ताइवान ने ड्रैगन को संकेत दिया कि अगर आत्मरक्षा की बात आएगी तो वह चुप नहीं बैठेगा।

पांच फ्रांसीसी सांसद पहुंचेंगे ताइवान

पांच फ्रांसीसी सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह ताइवान का दौरा करेगा। ताइवान विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को मामले की जानकारी दी कि फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल बुधवार को पहुंचेगा और सोमवार तक रहेगा। इसमें कहा गया है कि वे राष्ट्रपति साई इंग-वेन के बजाय उपराष्ट्रपति विलियम लाई से मिलेंगे।

ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्रॉस-पार्टी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सीनेटर सिरिल पेलेवेट करेंगे। कहा कि चीन के साथ तनाव बढ़ने के बावजूद ताइवान समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के साथ संबंधों को मजबूत करने का इच्छुक रहा है। इस वर्ष के अंत में, जर्मन, ब्रिटिश और कनाडाई विधायकों के भी दौरे की उम्मीद है।

गौरतलब है इससे पहले अमेरिकी सीनेटर नैन्सी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था। नैन्सी के ताइवान दौरे के बाद चीन भड़क गया था और अमेरिका को सीधे चुनौती दे डाली थी। चीन ने अपने लड़ाकू विमानों को ताइवान सीमा के पास उड़ाकर अपने खतरनाक इरादे दिखाए। हालांकि चीन की इस हरकत पर ताइवान ने अपने तेवर नरम नहीं किए तो चीन बैकफुट में आ गया। हालांकि अभी भी दोनों देशों के बीच जमीन पर विवाद सामने आते रहा है। नैन्सी के बाद कई अन्य अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ताइवान पहुंचे, जिनमें सांसद और एरिजोना राज्य के गवर्नर शामिल थे।

महारानी एलिजाबेथ से लिज ट्रस ने बालमोरल में की मुलाकात

लंदन। कंजरवेटिव पार्टी की नेता लिज़ ट्रस मंगलवार को महारानी से मिलने और आधिकारिक रूप से प्रधानमंत्री बनने के लिए बालमोरल पहुंची बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार इतिहास में यह पहला मौका है जब महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने बकिंघम पैलेस के बजाय बालमोरल में नये प्रधानमंत्री से मुलाकात की।सुश्री ट्रस यहां आयोजित 'किसिंग ऑफ हैंड्स' कार्यक्रम में शामिल हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपनी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बावजूद महारानी अपने सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक कर्तव्यों में से एक को निभाने के लिए दृढ़ है। महारानी एलिजाबेथ के समक्ष आधिकारिक रूप से 15 प्रधानमंत्री बने हैं जिनमें 12 पुरुष रहे। मार्गरेट थैचर और थेरेसा मे के बाद सुश्री ट्रस तीसरी महिला प्रधानमंत्री हैं।

पाकिस्तान में फिर मीडिया पर गिरी गाज, दो न्यूज चैनल बैन हुए तो भड़के इमरान

नई दिल्ली। पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार ने एक बार फिर से मीडिया पर स्ट्राइक करते हुए दो चैनलों के प्रसारण पर रोक लगा दी है। बताया जा रहा है कि इस चैनल के ऊपर शाहबाज शरीफ की टेढ़ी नजर काफी समय से थी और इस चैनल पर यह भी आरोप लगाए जा चुके हैं कि वह सिर्फ इमरान खान के समर्थन वाली खबरें ही दिखाता है। बैन लगते ही इमरान खान ने सरकार पर जमकर भड़ास निकाली है।

बैन करते हुए कारण भी बताया गया

दरअसल, अपने एक आदेश में पाकिस्तान में मीडिया पर निगरानी रखने वाली संस्था पेमरा ने सोमवार को कराची के दो टीवी चैनलों बोल न्यूज और बोल इंटरटेनमेंट का प्रसारण बंद करने का फैसला किया। डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक इन दोनों चैनलों को बैन करते हुए कारण भी बताया गया है कि इनका प्रसारण क्यों रोक दिया गया है।

लाइसेंस रद्द करने का फैसला किया

रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया कि इन दोनों चैनलों के संबंध में गृह मंत्रालय से सिक्योरिटी क्लीयरेंस नहीं मिला था। इसलिए गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी मिलने तक चैनलों को संचालन की मंजूरी नहीं दी जा सकती। सरकारी आदेश के मुताबिक गृह मंत्रालय के सभी रिकॉर्ड, अदालती आदेश और नोटिस की समीक्षा की और तत्काल प्रभाव से बोल न्यूज और बोल इंटरटेनमेंट चैनल का लाइसेंस रद्द करने का फैसला किया है।

उधर जैसे ही दोनों चैनलों पर बैन लगाया गया पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान बुरी तरह भड़क गए। उन्होंने लिखा कि आज पाकिस्तान में हम जिस फासीवाद और सेंसरशिप को देख रहे हैं, ऐसा हमने पहले कभी नहीं देखा। सरकार मीडिया और पत्रकारों पर सेंसरशिप लगा रही है और फासीवादी स्तर तक उनका उत्पीड़न कर रही है।

अब बोल न्यूज का लाइसेंस सिर्फ इसलिए रद्द कर दिया क्योंकि वह हमारी कवरेज कर रहा था।

बता दें कि इससे पहले भी शाहबाज सरकार ने मीडिया पर कार्रवाई करते हुए चैनलों को बैन किया था। कुछ दिन पहले ही देश के नामी एआरवाई न्यूज चैनल का प्रसारण बंद कर दिया गया था। यह तब हुआ था जब पाकिस्तान सरकार एक आदेश सामने आया।

चार साल के बच्चे ने एम्बुलेंस कॉल कर बचाई मां की जान

तस्मानिया। ऑस्ट्रेलिया में महज चार साल के एक बच्चे ने अपनी मां से सीखने के ठीक एक दिन बाद एम्बुलेंस बुलाकर उसे मेडिकल इमरजेंसी के जरिए उनकी जिंदगी बचाने में मदद की है। मोंटी कॉकर नामक बच्चे ने 27 अगस्त को राष्ट्रीय आपातकालीन नंबर – 000 – डायल किया। साथ ही उसने ऑपरेटरों से कहा, मम्मी गिर गई है। पैरामेडिक मार्क स्मॉल ने कहा, जैसे ही हम पते पर पहुंचे, वह (मोंटी) खिड़की में था... अपना हाथ लहराते हुए। बीबीसी ने बताया कि घर के अंदर मोंटी ने शांत और संयत तरीके से एम्बुलेंस चालक दल को यह पता लगाने में मदद की कि उसकी मां वेंडी को दौरा पड़ा है। स्मॉल्स ने कहा, उसकी (मोंटी की) त्वरित सोच ने बहुत बड़ा बदलाव किया, खासकर यदि आप गिरने पर अपना सिर मारते हैं, या आपको लंबे समय तक दौरे पड़ते हैं तो यह काफी गंभीर हो सकता है। पैरामेडिक्स मंगलवार को तस्मानिया के लाउंसेस्टन में मोंटी को प्रशंसा पत्र देने के लिए उसके घर पहुंचे। घटना से एक दिन पहले कॉकर (मोंटी की मां) ने मोंटी को समझाया था कि लॉक या अनलॉक किए गए फोन से एम्बुलेंस को कैसे कॉल किया जाए। उसे उम्मीद नहीं थी कि उसे इतनी जल्दी उस ज्ञान का उपयोग करना पड़ेगा।

महारानी से मुलाकात के बाद लिज ट्रस ब्रिटेन की नयी प्रधानमंत्री

लंदन। ब्रिटेन के बालमोरल में महारानी से मुलाकात के बाद अब लिज़ ट्रस देश की नयी प्रधानमंत्री बन गयी है। श्री बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद वहां उन्हें सरकार बनाने के लिए कहा गया है। सुश्री लिज ट्रस (47) ब्रिटेन की 56वीं और तीसरी महिला प्रधानमंत्री होगी। उनकी टीम ने उनकी नई भूमिका को चिह्नित करने के लिए उनके ट्विटर प्रोफाइल को तेजी से अद्यतन किया है। उनके प्रोफाइल विवरण में यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड की प्रधान मंत्री , कंजरवेटिव पार्टी की नेता, दक्षिण पश्चिम नॉरफ़ॉक के लिए सांसद, कहा गया है। गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, उनके तुरंत डाउनिंग स्ट्रीट लौटने की उम्मीद है और लंदन समयानुसार शाम करीब 4 बजे वह राष्ट्र को संबोधित करेंगी। प्रधान मंत्री के रूप में उनके सबसे पहली प्राथमिकताओं में से एक बिजली के बढ़ते बिलों से निपटने योजना की घोषण करना होगा। समझा जाता है कि ऊर्जा के बिलों पर लगाम लगाने के लिए सहयोगियों के साथ 100 बिलियन पाउंड के पैकेज पर चर्चा की जा रही है।

चीन में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 66 हुयी

बीजिंग। चीन के दक्षिण पश्चिमी सिचुआन प्रांत में सोमवार को आये भीषण भूकंप में मृतकों की संख्या बढ़कर 66 हो गई है। कल हुए इस प्राकृतिक हादसे में कम सात लोगों के मारे जाने की रिपोर्ट थी। दोपहर करीब एक बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.8 मापी गयी थी। भूकंप का केन्द्र 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। गंजी तिब्बती स्वायत्त प्रान्त में 38 लोग मारे गए और अन्य 28 याआन शहर के शिमियन काउंटी में मारे गए। मंगलवार दोपहर दो बजे तक गांजी में 15 लोग लापता थे और 253 घायल मिले थे, जिनमें 70 गंभीर रूप से घायल हुए थे। सिचुआन में भूकंप के लिए उच्चतम स्तर के आपातकालीन कदम उठाये गये हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कल कहा गया था कि भूकंप के प्रभाव से दूरसंचार लाइनें टूट गईं और पहाड़ी भूस्खलन शुरू हो गए जिससे 'गंभीर क्षति' हुई। सिचुआन की राजधानी चेंगदू में लगभग 2.1 करोड़ लोगों को शुक्रवार को कोविड के नियमों के कारण घर में रहने का आदेश दिया गया था।चाइना अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर के अनुसार भूकंप का केंद्र चेंगदू से लगभग 226 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित सुदूर पर्वतीय क्षेत्र के लुडिंग शहर में था।सीसीटीवी के अनुसार भूकंप के झटके से चेंगदू और पड़ोसी मेगा-शहर चोंगकिंग में इमारतों को हिला दिया, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गईं और 10 हजार से अधिक निवासियों के घरों में दूरसंचार लाइनें टूट गईं।चीनी प्रसारक ने कहा कि झटके ने गारजे और यान के क्षेत्रों में कुछ बिजली स्टेशनों को बंद करने के लिए मजबूर किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादक: प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

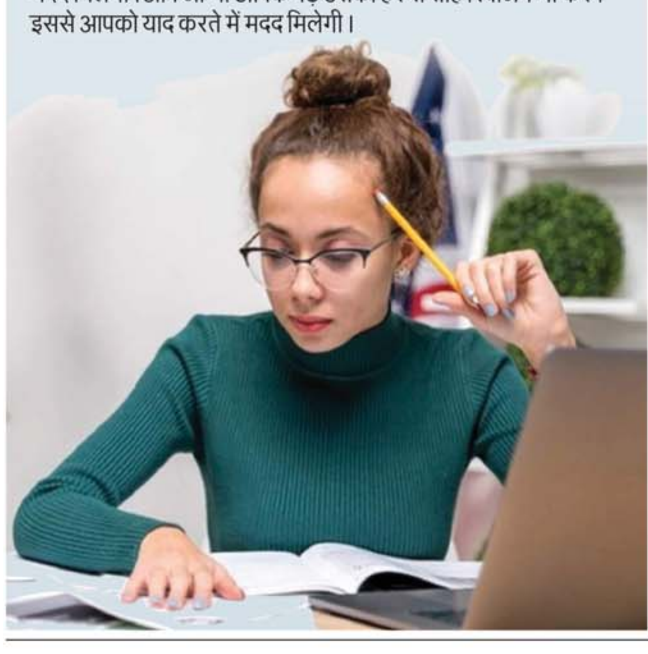

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स–रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकिट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि–उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट–अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहति है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफिकिट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ–साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

CMYK CMYK CMYK CMYK